RNI No. 62592/95
email: u.p.observer@gmail.com

यू.पी.ऑब्ज़र्वर

साप्ताहिक

मोदीनगर (गाजियाबाद) वर्ष : 31 अंक : 49 सोमवार 3 से 9 मार्च, 2025 पृष्ठ: 8 मूल्य : ₹3/=

बच्चों की बेहतर शिक्षा और सुरक्षा का रखें विशेष ध्यान: मीनाक्षी भराला ...2

सौराष्ट्र में प्रथम ज्योतिर्लिंग के दर्शन करने पहुंचे पीएम मोदी

नई दिल्ली। गुजरात दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सौराष्ट्र में स्थित प्रथम ज्योतिर्लिंग- सोमनाथ महादेव के दर्शन-पूजन किए। प्रधानमंत्री इससे पहले गुजरात के कई अन्य कार्यक्रमों में भी शामिल हुए। पीएम मोदी ने महादेव के शिवलिंग पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच अभिषेक भी किया।

खबरों के मुताबिक पीएम मोदी सोमनाथ ट्रस्ट की बैठक की अध्यक्षता भी करेंगे। इससे पहले प्रधानमंत्री तीन दिवसीय दौरे पर शनिवार की शाम जामनगर पहुंचे। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के संबंध में जारी सूचना के मुताबिक वे गिर जिले में सासन गिर नेशनल पार्क भी जाएंगे और जंगल सफारी का आनंद लेंगे।

सोमनाथ महादेव के दर्शन से पहले प्रधानमंत्री ने रविवार को रिलायंस फाउंडेशन के पशु बचाव और पुनर्वास केंद्र वनतारा का दौरा भी किया। 3 मार्च को प्रधानमंत्री गिर राष्ट्रीय उद्यान में जंगल सफारी का आनंद लेकर अपने दिन की शुरूआत करेंगे। जंगल सफारी से लौटने के बाद पीएम मोदी वन्य जीवों के मुद्दे पर अहम बैठक की अध्यक्षता भी करेंगे।

प्रधानमंत्री नेशनल बोर्ड फॉर वाइल्ड लाइफ (एनबीडब्ल्यूएल) की बैठक की अध्यक्षता करेंगे। इस बैठक में वन्यजीवों से संबंधित राष्ट्रीय स्तर के मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। एनबीडब्ल्यूएल में 47 सदस्य हैं, जिनमें सेना प्रमुख, विभिन्न राज्यों के सदस्य, इस क्षेत्र में काम करने वाले गैर सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि, मुख्य वन्यजीव वार्डन और विभिन्न राज्यों के सचिव शामिल हैं। देश के प्रधानमंत्री एनबीडब्ल्यूएल के पदेन अध्यक्ष होते हैं।

पीएम मोदी के गृह राज्य में होने के अलावा भी आस्था का बड़ा केंद्र सोमनाथ देश के द्वादश ज्योतिर्लिंगों में

सबसे पहला माना जाता है। इस तीर्थ से प्रधानमंत्री की आस्था का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अब तक 163 से अधिक गणेश प्रतिमाएं सोमनाथ मंदिर ट्रस्ट को सौंप चुके हैं। ये सभी गणेश प्रतिमाएं ट्रस्ट के अधीन चलने वाले श्री राम मंदिर में रखी हुई हैं। ये गणेश प्रतिमाएं उन्हें देश-विदेश की यात्रा के दौरान लोगों के द्वारा उन्हें दी जाती हैं। समय-समय पर प्रधानमंत्री इन मूर्तियों को सोमनाथ मंदिर ट्रस्ट को सौंप देते हैं।

सोमनाथ सनातन आस्था का बड़ा केंद्र इसलिए भी है क्योंकि महादेव के अलावा यहां से श्रीकृष्ण की लीलाएं भी जुड़ी हैं। यही कारण है कि सोमनाथ को एक आध्यात्मिक तीर्थ की दृष्टि से विकसित किया जा रहा है। सोमनाथ पहुंचने वाले तीर्थयात्रियों के लिए उन मंदिरों का दर्शन भी सुलभ हो जाता है जहां भगवान कृष्ण ने अपनी इहलीला का अंत किया था और उनके बैकुंठ लोक जाने के बाद उनके बड़े भाई बलराम ने एक गुफा के रास्ते से पाताल लोक गमन किया था। ये सभी पुण्य स्थल सोमनाथ के आसपास ही हैं और कोई भी तीर्थयात्री आसानी से इनके दर्शन कर सकता है।

हिंडन एयरपोर्ट से बेंगलुरु, कोलकाता और गोवा के लिए सीधी उड़ानें शुरू

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। गोवा, बेंगलुरू और कोलकाता की उड़ान एक मार्च से शुरू हो रही है। यह पहला मौका है, जब सिविल एयरपोर्ट से 180 सीटर विमान उड़ान भरेगा। सुबह साढ़े नौ बजे इंडियन एयरलाइंस कंपनी का 180 सीटर विमान यात्रियों को लेकर हिंडन एयरपोर्ट पर उतरेगा। यहां से करीब एक घंटे बाद सुबह 10:30 बजे यही विमान गोवा के लिए उड़ान भरेगा।

ठीक एक वर्ष बाद हिंडन एयरपोर्ट से नए शहर के लिए उड़ान शुरू हो रही है। हिंडन से गोवा की फ्लाइट में सांसद अतुल गर्ग के साथ ही सभी विधायक व भाजपा नेता के साथ करीब 50 लोग हैं, जिनकी सीट बुक है। इनके साथ ही शहर के अन्य लोगों ने भी अपनी बुकिंग कराई हुई है। अभी तक गोवा के लिए सर्वाधिक बुकिंग हुई है, क्योंकि 50-60 सीट सांसद अतुल गर्ग ने बुक कराई हैं। वह विधायकों और पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ गोवा जाएंगे। गोवा की लगभग 80 फीसदी सीट बुक हुई हैं, जबकि बेंगलुरू और कोलकाता की भी 60 फीसदी तक टिकट बुक हो चुकी हैं।

हिंडन एयरपोर्ट प्रबंधन के निदेशक उमेश यादव ने बताया कि पूर्व में भी एयर इंडिया एक्सप्रेस की ओर से इन शहरों के लिए उड़ान शुरू होनी थी। कानूनी अड़चन की वजह से उड़ान पर रोक लग गई थी। अब पाबंदी हटने के बाद एयरलाइंस कंपनी तीनों शहर के लिए उड़ान शुरू कर रही है।

फिलहाल इसका टिकट करीब 4000 रुपये से शुरू हो रहा है। हिंडन एयरपोर्ट से अभी लुधियाना, बठिंडा, आदमपुर, किशनगढ़ और नांदेड़ की उड़ान चल रही हैं।

कोलकाता से सुबह 7:10 बजे पर हिंडन के लिए उड़ान शुरू होगी और यहां 9:30 बजे पहुंचेगी। यहां एक घंटे के बाद गोवा के लिए यही विमान सुबह 10:30 बजे उड़ान भरेगा और गोवा 1:15 पर पहुंचेगा। गोवा से यही विमान फिर दोपहर 2 बजे हिंडन सिविल एयरपोर्ट के लिए उड़ान भरेगा और यहां शाम 04:40 बजे पहुंचेगा। इस फ्लाइट का समय 2 घंटे 40 मिनट होगा। यहां 40 मिनट रुकने के बाद कोलकाता के लिए 5:20 पर उड़ान भरेगा और रात 7:40 बजे कोलकाता पहुंचेगा। बेंगलुरु से 12:40 बजे प्रस्थान करेगा और दोपहर 03:15 बजे हिंडन पहुंचेगा।

इन शहरों के लिए उड़ान है प्रस्तावित

जम्मू, अयोध्या, प्रयागराज, लखनऊ, बनारस, मुरादाबाद, पिथौरागढ़

ग्राम पंचायत स्तर पर डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना करेगी योगी सरकार

प्रथम चरण में 22,700 ग्राम पंचायतों में डिजिटल लाइब्रेरी की होगी स्थापना

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। योगी सरकार ने प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों के बच्चों को आधुनिक शिक्षा के संसाधन उपलब्ध कराने के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उच्च स्तरीय बैठक में अधिकारियों को योजना के तहत पहले चरण में प्रदेश की 22,700 ग्राम पंचायतों में डिजिटल लाइब्रेरी स्थापित करने के निर्देश दिये हैं। इसके बाद प्रदेश की हर ग्राम पंचायत स्तर पर डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना की जाएगी। इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों को आधुनिक शिक्षा संसाधन और डिजिटल युग के अनुरूप शैक्षिक प्रगति को सुनिश्चित करना है।

ग्राम प्रधान और सचिव करेंगे डिजिटल लाइब्रेरी की मॉनीटरिंग

बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि समय के साथ शिक्षा क्षेत्र में लगातार बदलाव हो रहे हैं। ऐसे में ग्रामीण बच्चों को डिजिटल शिक्षा से जोड़ना और उन्हें उच्च गुणवत्ता वाली अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराना बहुत जरूरी है। इसके लिए ग्रामीण छात्रों तक ई-बुक्स, डिजिटल कंटेंट और अन्य शैक्षिक संसाधनों की पहुंच आसान बनानी होगी। इसमें ग्राम पंचायत स्तर पर डिजिटल लाइब्रेरी अपनी अहम भूमिका निभाएगी। उन्होंने ग्राम पंचायत

स्तर पर डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना की जाएं, जहां बच्चों को किताबें, प्रश्नोत्तरी, वीडियो, ऑडियो लेक्चर तथा अन्य डिजिटल संसाधनों उपलब्ध कराए जाए। इससे बच्चों में सीखने की प्रक्रिया अधिक प्रभावी बनेगी। सीएम ने लाइब्रेरी के संचालन और प्रबंधन की ज़िम्मेदारी ग्राम पंचायतों को सौंपने के निर्देश दिये। सीएम योगी की मंशा के अनुरूप हर ग्राम पंचायत में डिजिटल लाइब्रेरी की देखरेख ग्राम प्रधान और सचिव द्वारा की जाएगी। वहीं पंचायत स्तर पर सहायक अधिकारियों की नियुक्ति की जाएगी, जो लाइब्रेरी के रखरखाव, उपयोग और सुचारू संचालन की निगरानी करेंगे।

हर डिजिटल लाइब्रेरी के लिए योगी सरकार खर्च करेगी 4 लाख रुपये

योगी सरकार 4 लाख रुपये प्रति डिजिटल लाइब्रेरी पर खर्च करेगी। इसके तहत 2 लाख रुपये डिजिटल उपकरणों (कंप्यूटर, प्रिंटर, इंटरनेट सुविधा आदि) की खरीद और 2 लाख रुपये डिजिटल तथा हार्डकॉपी किताबों की खरीद पर खर्च किये जा सकेंगे। लाइब्रेरी में बच्चों को पाठ्य पुस्तकों के साथ विविध विषयों पर ई-बुक्स और अन्य डिजिटल अध्ययन सामग्री उपलब्ध करायी जाएगी।

बच्चों को व्यावहारिक ज्ञान के लिए अत्याधुनिक उपकरण ऑडियो-विजुअल टूल्स भी मुहैया कराए जाएंगे। उन्हे ऑनलाइन पढ़ाई और रिसर्च कार्यों के लिए इंटरनेट की सुविधा भी दी जाएगी। डिजिटल लाइब्रेरी में एक सुव्यवस्थित मैनेजमेंट सिस्टम होगा, जिससे छात्र अपनी पसंदीदा किताबों और अध्ययन सामग्री को आसानी से एक्सेस कर सकें। योगी सरकार का मानना है कि डिजिटल

दिल्ली की कानून व्यवस्था पर अमित शाह ने की बैठक

नई दिल्ली। दिल्ली में डबल इंजन की सरकार ने शहर की कानून व्यवस्था को दुरुस्त करने की दिशा में अहम कदम उठाने शुरू कर दिये हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज गृह मंत्रालय में दिल्ली की कानून व्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करने के लिए एक अहम बैठक बुलाई। इसमें दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, दिल्ली के गृह मंत्री आशीष सूद, दिल्ली पुलिस कमिश्नर और पुलिस के कई आला अधिकारी और गृह मंत्रालय के तमाम वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। बैठक में मुख्य रूप से महिला सुरक्षा और बांग्लादेशी घुसपैठियों को लेकर चर्चा की गयी। हम आपको बता दें कि यह बैठक इस मायने में भी महत्वपूर्ण रही कि शीला दीक्षित सरकार के बाद पहली बार ऐसा हुआ जब केंद्रीय गृह मंत्री ने दिल्ली की मुख्यमंत्री सहित गृह मंत्रालय के शीर्ष

अधिकारियों के साथ राष्ट्रीय राजधानी की कानून व्यवस्था पर चर्चा के लिए बैठक बुलाई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य दिल्ली सरकार और दिल्ली पुलिस के बीच तालमेल स्थापित करना था ताकि कानून-व्यवस्था के संबंध में आसानी से निर्णय लिये जा सकें। हम आपको यह भी याद दिला दें कि पूर्व की आम आदमी पार्टी की सरकार केंद्र और उपराज्यपाल से सदैव लड़ती रहती थी इसलिए कभी इस तरह की बैठक ही नहीं हो पाई थी। बताया जा रहा है कि बैठक के दौरान दिल्ली पुलिस की ओर से केंद्रीय गृह मंत्री के समक्ष सुरक्षा उपायों को लेकर विस्तृत प्रेंजेटेशन भी दी गयी। बैठक के बाद दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि छोटे-छोटे विषय जो दिल्ली को बड़ी-बड़ी दिक्कत दे रहे थे उन्हें लेकर जब भी भारत सरकार द्वारा ब्यौरा मांगा जाता था तो उस पर कभी भी दिल्ली की पूर्व सरकार द्वारा सहयोग नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि कहां-कहां पर किन चीजों को ठीक करने की आवश्यकता है उस पर विस्तृत चर्चा हुई है। उन्होंने कहा कि दिल्ली को हर नागरिक के लिए सुरक्षित बनाया जायेगा।

मायावती ने आकाश आनंद को सभी पदों से हटाया

बोलीं-मेरे जिंदा रहने तक कोई नहीं होगा उत्तराधिकारी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कभी राज करने वाली बसपा में आज घमासान चल रहा है। रविवार को बसपा सुप्रीमो मायावती ने बड़ा फैसला सुनाया। उन्होंने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी के सभी पदों से हटा दिया। आकाश के ससुर अशोक सिद्धार्थ के निष्कासन के बाद उनका यह दूसरा बड़ा फैसला है।

वहीं आकाश के भाई आनंद कुमार और रामजी गौतम को बड़ी जिम्मेदारी दी। दोनों को नेशनल कोआर्डिनेटर बनाया गया है। इस मौके पर मायावती ने कहा कि अब मेरे जिंदा रहने तक कोई उत्तराधिकारी नहीं होगा। पार्टी और मूवमेंट के हित में रिश्ते नातों का कोई महत्व नहीं है।

बसपा सुप्रीमो ने कहा कि अब मैंने खुद भी यह फैसला लिया है कि मेरे जीते जी व मेरी आखिरी सांस तक भी अब पार्टी में मेरा कोई भी उत्तराधिकारी नहीं होगा। जिस फैसले का पार्टी के लोगों ने दिल से स्वागत किया। उन्होंने कहा कि मेरे लिए पार्टी व मूवमेन्ट पहले है। भाई-बहन व उनके बच्चे तथा

अन्य रिश्ते नाते आदि सभी बाद में हैं।

गैर-राजनैतिक परिवार के साथ ही करेंगे रिश्ता

मायावती ने कहा कि आनन्द कुमार के बारे में मैं यह भी अवगत कराना चाहती हूं कि वर्तमान में बदले हुए हालात में, पार्टी व मूवमेन्ट के हित में अब इन्होंने अपने बच्चों का रिश्ता भी गैर-राजनैतिक परिवार के साथ ही जोड़ने का फैसला लिया है ताकि अशोक सिद्धार्थ की तरह अब आगे कभी भी अपनी पार्टी को किसी भी प्रकार से कोई नुकसान आदि ना हो सके।

अशोक सिद्धार्थ पर जमकर बरसीं

मायावती ने कहा कि अशोक सिद्धार्थ को, जो आकाश आनन्द के ससुर भी है, उसे अब पार्टी व मूवमेन्ट के हित में पार्टी से निकाल कर बाहर किया है जिसने उत्तर प्रदेश सहित पूरे देश में पार्टी को दो गुटों में बांटकर इसे कमजोर करने का घिनौना कार्य किया है, जो कतई बर्दाश्त करने लायक नहीं है। यह सब उनकी लड़के की शादी में भी देखने के लिए मिला है।

जहां तक इस मामले में आकाश आनन्द का सवाल है तो आपको यह मालूम है कि अशोक सिद्धार्थ की लड़की के साथ इनकी शादी हुई है। अब अशोक सिद्धार्थ को पार्टी से निकालने के बाद उस लड़की पर अपने पिता का कितना प्रभाव पड़ता है तथा आकाश पर भी उसकी लड़की का कितना प्रभाव पड़ता है तो यह सब भी अब हमें काफी गम्भीरता से देखना होगा जो अभी तक कतई भी पॉजिटिव नहीं लग रहा है। ऐसे में पार्टी व मूवमेन्ट के हित में आकाश आनन्द को पार्टी की सभी जिम्मेदारियों से अलग कर दिया गया है। जिसके लिए पार्टी नहीं बल्कि पूर्ण रूप से इसका ससुर अशोक सिद्धार्थ ही जिम्मेदार है, जिसने पार्टी को नुकसान पहुंचाने के साथ-साथ आकाश आनन्द के राजनीतिक कैरियर को भी खराब कर दिया है।

पार्टी कार्यक्रमों के लिए जरूरी दिशा-निर्देश भी दिए

इसी परिपेक्ष्य में उन्होंने पार्टी के लोगों को यह भी विश्वास दिलाया है कि जब तक मैं जिन्दा रहूंगी तो तब तक मैं अपनी आखिरी सांस तक भी अपनी पूरी ईमानदारी व निष्ठा से पार्टी को आगे बढ़ाने का हर सम्भव पूरा-पूरा प्रयास करती रहूंगी। उन्होंने समीक्षा के दौरान कमियों को दूर करके आगे के पार्टी कार्यक्रमों के लिए जरूरी दिशा-निर्देश भी दिए।

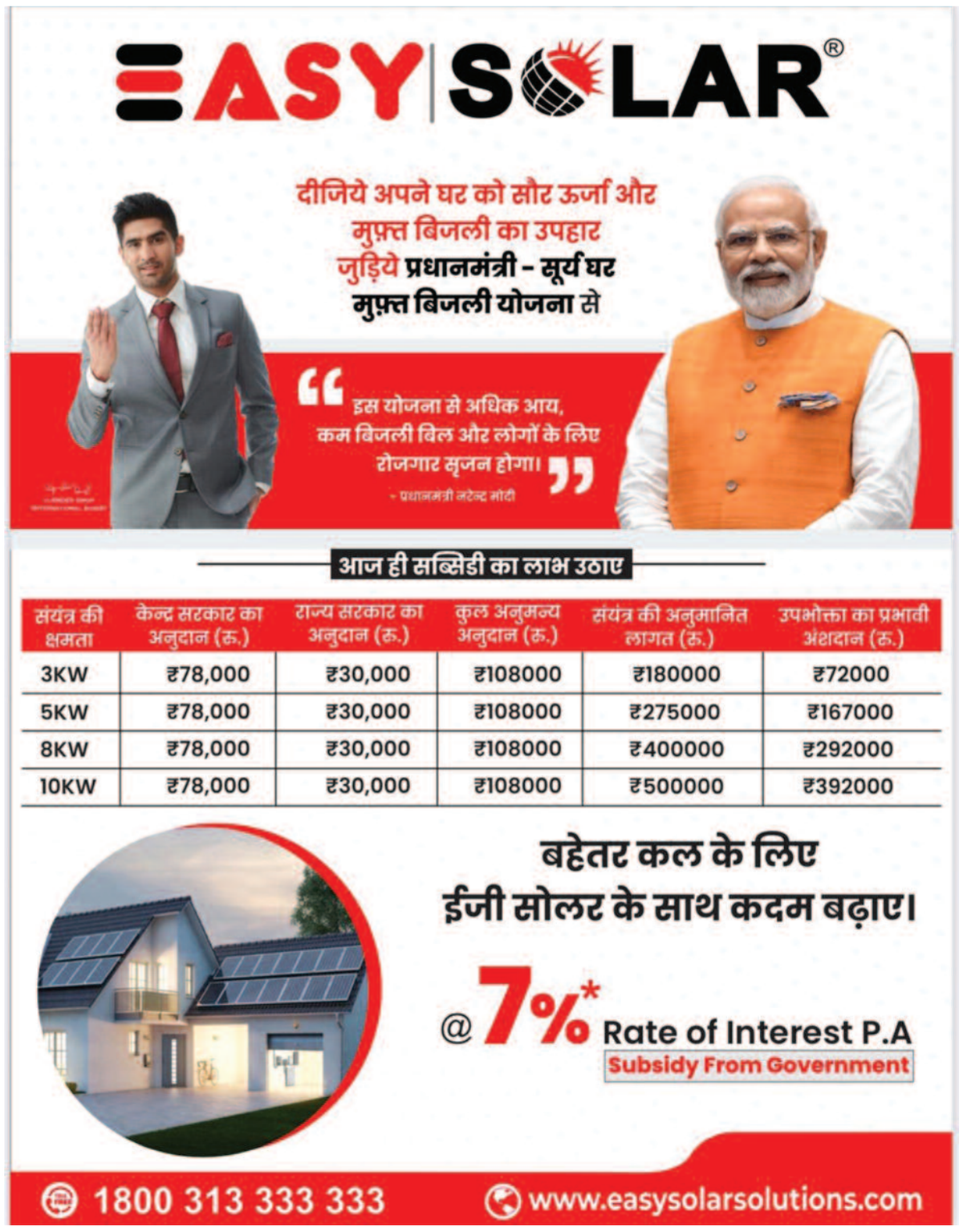

मीनाक्षी भराला ने किया जिला कारागार व कस्तूरबा विद्यालय व महिला चिकित्सालय का निरीक्षण

बच्चों की बेहतर शिक्षा और सुरक्षा का रखें विशेष ध्यानः मीनाक्षी भराला

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग लखनऊ की सदस्या मीनाक्षी भराला ने जिला कारागार, कस्तूरबा विद्यालय ब्लॉक राजापुर एवं महिला चिकित्सालय गाजियाबाद का निरीक्षण किया। सदस्या द्वारा जिला कारागार में महिला बैरेक के निरीक्षण के दौरान 158 महिलाएं निरुद्ध पाई गयी। बैरेक में महिलाओं की आवासीय व्यवस्था उचित पाई गयी। कारागार में महिला बंदियों के लिए सिलाई कढाई प्रशिक्षण संचालित है। महिला बंदियों के साथ रह रहे बच्चों के लिए संचालित क्रेच का भी निरीक्षण किया गया। जिसकी साफ सफाई संतोषजनक पाई गयी वर्तमान में महिला बंदियों के साथ कुल 8 बच्चें आवासित है। माननीय सदस्या द्वारा महिला बंदियों से वार्ता की गयी जिसमें कुछ महिला बंदियों द्वारा बताया गया की उनकी काफी लम्बे समय से जमानत अर्जी माननीय न्यायालय में लंबित है जिसके सम्बन्ध में सदस्या द्वारा जेल अधीक्षक को निर्देशित किया गया की उक्त महिलाओं की जमानत के सम्बन्ध में माननीय न्यायालयों से संपर्क कर प्रभावी कार्यवाही कराए। निरीक्षण के दौरान सदस्या के साथ जेल अधीक्षक सीताराम शर्मा, जिला प्रोबेशन अधिकारी मनोज कुमार पुष्कर, उप जेलर अरविन्द कुमार चौहान, उप जेलर डा० बृजेश पाण्डेय, उप जेलर शिवानी यादव, महिला थाना अध्यक्ष रितु, विधि सह परिवीक्षा अधिकारी लोकेन्द्र सिंह उपस्थित रहे। तदोपरांत सदस्या द्वारा कस्तूरबा विद्यालय ब्लॉक राजापुर के निरीक्षण के दौरान बालिकाओं के आवास, क्लास रूम, रसोई इत्यादि का निरीक्षण किया गया। इस दौरान माननीय सदस्या द्वारा बालिकाओं के भोजन में पोषण पर विशेष ध्यान दिए जाने हेतु वार्डन को निर्देशित किया गया। सदस्या द्वारा विद्यालय में नियमित रूप से साफ-सफाई किये जाने व मौसम को ध्यान में रखते हुए कक्षों में मच्छरों से बचाव करने हेतु व्यवस्था करने के निर्देश दिए गये। उन्होने कहा कि बच्चों की बेहतर शिक्षा और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाएं। इस दौरान जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ओपी यादव, खण्ड शिक्षा अधिकारी कविता चौहान, विधि सह परिवीक्षा अधिकारी लोकेन्द्र सिंह, जिला समन्वयक बालिका शिक्षा कुनाल मुद्गल एसआरजी समग्र शिक्षा योजना पूनम शर्मा उपस्थित रहें। तदोपरांत सदस्या द्वारा महिला चिकित्सालय गाजियाबाद का निरीक्षण किया गया। सदस्या द्वारा अस्पताल के विभिन्न वार्डो का निरीक्षण किया गया। जिसमें मुख्य रूप से लेबर रूम, शिशु रुम, आयुष्मान वार्ड इत्यादि रहे। इसमें प्रमुख रूप से नवाचार के रूप में बनाये गये शिशु एवं महिला जॉइंट वार्ड की सरहना करते हुए माननीय सदस्या द्वारा कहा गया की यह नवाचार अपने आप में माता व बच्चों के लिए बहुत उपयोगी सिद्ध होगा। इस दौरान एसीएमओ डा.अमित विक्रम, सर्जन डा.सुषमा चन्द्र, मेडिकल ऑफिसर डा.स्वेता, विधि सह परिवीक्षा अधिकारी लोकेन्द्र सिंह, फार्मासिस्ट परवीन त्यागी उपस्थित रहें।

डीएम ने किया ईवीएम, वीवीपैट वेयर हाउस का मासिक निरीक्षण

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। जिलाधिकारी दीपक मीणा द्वारा ईवीएम, वीवीपैट वेयर हाउस कलेक्ट्रेट, गाजियाबाद का मासिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा सुरक्षा के मद्देनजर आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गये। उन्होने सम्बंधित अधिकारी को निर्देशित किया कि सीसीटीवी द्वारा की जा रही निगरानी का पैरामीटर पूर्ण हो एवं निरंतर उनकी जांच करते रहें, नियमानुसार सीसीटीवी का बैकअप सुरक्षित रखा जाएं। उन्होने कहा कि सुरक्षा व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की कोई चूक नहीं होनी चाहिए। निरीक्षण के दौरान एडीएम ई रणविजय सिंह, एडीओ निर्वाचन हरीकिशन शर्मा सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारियों सहित मनोज कुमार बहुजन समाज पार्टी, सुभाष चन्द्र शर्मा भारतीय जनता पार्टी, ताहिर हुसैन समाजवादी पार्टी, राजेन्द्र शर्मा कांग्रेस उपस्थित रहे।

मेयर सुनीता दयाल से मिले अखिल भारतीय औद्योगिक एवं व्यापार महासभा के पदाधिकारी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। डी ब्लॉक मार्केट कविनगर के छोटी दुकान के मालिक अखिल भारतीय औद्योगिक एवं व्यापार महासभा के कार्यालय पहुंचे। बाद में व्यापार महासभा के पदाधिकारी दुकानदारों को लेकर महापौर सुनीता दयाल से मिलने पहुंचे। दुकानदारों ने अखिल भारतीय औद्योगिक एवं व्यापार महासभा के पदाधिकारियों को बताया कि उन्हें नगर निगम की ओर से नोटिस भेजे गये हैं, जिनमें किराया में उम्मीद से अधिक बढ़ोतरी की गयी है और इस बढ़ी हुई रकम अदा करने के कहा गया है।

अखिल भारतीय औद्योगिक एवं व्यापार महासभा के पदाधिकारी इन दुकानदारों की बात सुनने के बाद उन्हें साथ लेकर महापौर सुनीता दयाल से मिले। व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने लिखित में सारे मामले की जानकारी महापौर को दी। महापौर सुनीता दयाल ने बड़े धैर्य से व्यापार मंडल के पदाधिकारियों और व्यापारियों की बात को सुनकर उन्हें आश्वासन दिया कि वे नगर निगम नियमों को ध्यान रखते हुए व्यापारी हितों के लिए हर संभव प्रयास करेंगी।

महापौर से मुलाकात करने वालों में अखिल भारतीय औद्योगिक एवं व्यापार महासभा के संस्थापक रविंद्र चौहान, राष्ट्रीय प्रवक्ता इंद्रजीत सिंह टीटू, प्रदेश अध्यक्ष शुभम गुप्ता, प्रदेश संयोजक संजीव अरोड़ा, युवा महानगर अध्यक्ष दिनेश शर्मा एवं दुकानदारों के मालिक थे।

ई–मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल से लाभार्थियों को मिलेंगे रोजगार के नये साधन

हमें बताना है कि हम आत्मनिर्भर और सक्षम हैंः दीपक मीणा

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के माध्यम एवं इण्डियन आयल कम्पनी के सौजन्य से न्यूमोशन द्वारा लायन्स क्लब कविनगर में जनपद के दिव्यांगजनों को बैट्री चालित व्हीलचेयर वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में जिलाधिकारी दीपक मीणा आईएएस ने कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। आयोजनकताओं द्वारा जिलाधिकारी को पुष्प गुच्छ भेंट कर एवं शॉल उढ़ाकर स्वागत व सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी दीपक मीणा ने आयोजनकताओं की उपस्थित में द्वीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए जिलाधिकारी दीपक मीणा ने कहा कि इण्डियन आयल कम्पनी के सौजन्य से प्राप्त ई-मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल से आप लोगों के ऐसे कार्यों से अन्य दिव्यांगजनों को भी प्रेरणा मिलेगी।

जिलाधिकारी ने लाभार्थियों को ई-मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल की प्रतीकात्मक चाबी भेंट करते हुए जनपद के 28 दिव्यांगजनों को ई-मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल का वितरण किया। लाभार्थी दिव्यांगजनों को के लिए रोजगार के नये–नये साधन प्राप्त होंगे। आप लोग आत्मनिर्भर बने इसी उद्देश्य से आप लोगों को ई-मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल का लाभ मिला है। इण्डियन आयल कम्पनी द्वारा आप लोगों को रोजगार हेतु जोमैटो में भी लिंक किया गया है। अब आप लोगों पर एक विशेष जिम्मेदारी है कि आप लोगों को दिखाना है कि हम किसी साधारण इंसान से कम नहीं है, हम सक्षम व आत्मनिर्भर हैं, आप जोमैटो में डिलवरी ब्वायज के रूप में कार्य करने हेतु जोमैटो टीम द्वारा उनका रजिस्ट्रेशन आदि कार्य पूर्ण किये गये। उक्त सभी लाभार्थी को रोजगार दिये जाने के उद्देश्य से उक्त मोटराइज्ड इण्डियन आयल कम्पनी के सौजन्य से प्रदान की गयी है।

कार्यक्रम में ईडी इण्डियन आयल, जीएम इण्डियन आयल, योगेन्द्र प्रताप सिंह जिला सूचना अधिकारी, सुधीर कुमार जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी, व यूमोशन के पदाधिकारी उपस्थित रहें।

अवैध कॉलोनियों के खिलाफ जीडीए का अभियान जारी

प्रवर्तन जोन–2 में अनाधिकृत निर्माणों की गई ध्वस्तीकरण की कार्रवाई

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स के अवैध निर्माण/अवैध कालोनियों के विरूद्ध कार्यवाही किये जाने के निर्देशों के क्रम में शुक्रवार को अनुज त्यागी, शिवाजीत, खसरा सं0-53, ग्राम बसन्तपुर सैंतली, नवीपुर बम्बा रोड़ मुरादनगर पर लगभग 20000 वर्ग0मी0 क्षेत्रफल में मिट्टी भराई एवं सड़कों के लिए दीवारों की चिनाई का कार्य, दयानन्द व विनोद, रतीराम, बेगराज, जगपाल एवं रामशरण द्वारा खसरा सं0-29,23 ग्राम दुहाई नवीपुर बम्बा मुरादनगर के लगभग 20000 वर्ग0मी0 क्षेत्रफल मिट्टी भराई एवं सड़कों के लिए दीवारों की चिनाई का कार्य, सुशील खारी खसरा सं0-555, ग्राम बसन्तपुर सैंतली, नवीपुर बम्बा रोड़ मुरादनगर के लगभग 8000 वर्ग0मी0 क्षेत्रफल में सड़कों के लिए दीवारों का निर्माण, रिंकू चौधरी नवीपुर बम्बा रोड़ बसन्तपुर सैंतली मुरादनगर में लगभग 30000 वर्ग0मी0 क्षेत्रफल में आर0सी0सी0 सड़क व बाउण्ड्रीबॉल का निर्माण व रवीन्द्र कुमार द्वारा नवीपुर बम्बा पर लगभग 20000 वर्ग0मी0 क्षेत्रफल में मिट्टी व भराई व चिनाई का कार्य किया जा रहा था। उक्त सभी अवैध निमार्णों के विरुद्ध प्रारंभिक स्तर पर ही ध्वस्तीकरण की कार्यवाही करते हुए सड़क, बाउण्ड्रीवाल, साईट ऑफिस आदि को ध्वस्त किया गया।

ध्वस्तीकरण की कार्यवाही के दौरान कोलोनाईजर/निर्माणकर्ता द्वारा भारी विरोध प्रकट किया गया। लेकिन पुलिस व प्राधिकरण प्रवर्तन दस्ते की प्रभावी कार्यवाही के द्वारा उनको डंडे फटक कर भगा दिया गया। प्रभारी अधिकारी प्रवर्तन जोन-2 द्वारा लोगो को सख्त निर्देश दिये गये कि बिना अनुमति किये गये किसी भी निर्माण को बक्शा नहीं जायेगा। उपरोक्त अनाधिकृत रूप से विकसित की जा रही अनाधिकृत कालोनियों के विरूद्ध सहायक अभियन्ता,अवर अभियन्ता एवं प्रवर्तन जोन-2 के समस्त स्टाफ, प्राधिकरण पुलिस बल व प्राधिकरण प्रवर्तन दस्ते की उपस्थिति में ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की गई।

वहा उपस्थित जनता को भी आगाह किया गया कि अनाधिकृत रूप से वसायी जा रही कॉलोनियों में किसी भी सम्पत्ति का क्रय विक्रय ना करें। आगामी माह में भी ध्वस्तीकरण/सील की कार्यवाही किये जाने का अभियान जारी रहेगा।

विद्यार्थियों के लिए सुविधाओं से युक्त होगी कंपनी बाग की लाइब्रेरीः नगर आयुक्त

गाजियाबाद। विक्रमादित्य सिंह मलिक नगर आयुक्त के द्वारा कंपनी बाग स्थित लाइब्रेरी का जीर्णोद्धार कराया जा रहा है। नई सोच के साथ नगर आयुक्त द्वारा जहां शहर के विकास कार्यों को रफ्तार दी जा रही है। वहीं विद्यार्थियों के लिए भी नगर आयुक्त के निर्देश अनुसार कंपनी बाग स्थित लाइब्रेरी को हाईटेक बनाया जा रहा है। जिसका निरीक्षण टीम के साथ किया गया। मौके पर अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार भी उपस्थित रहे।

नगर आयुक्त द्वारा बताया गया कि कंपनी बाग लाइब्रेरी में विद्यार्थियों द्वारा कई समस्याओं का सामना किया जा रहा था। विद्यार्थियों से हुई चर्चा के क्रम में प्लानिंग करते हुए उक्त लाइब्रेरी को आधुनिक बनाया जा रहा है। जिसमें एक समय में 40 से 50 विद्यार्थियों के बैठने की व्यवस्था की गई है। वरिष्ठ नागरिकों के लिए अलग से कमरा बनाया गया है प्रकाश युक्त लाइब्रेरी बनाई गई है। जिसमें लाइट की व्यवस्था के साथ-साथ पूरी लाइब्रेरी को एयर कंडीशन बनाया जा रहा है, शौचालय की भी व्यवस्था को बेहतर करते हुए आधुनिक व्यवस्था की गई है जिसमें विकलांगों के लिए, महिलाओं के लिए, तथा पुरुष के लिए अलग-अलग शौचालय बनाए गए हैं।

जीडीए वीसी ने दी राजनगर एक्सटेंशन में जोन-1 की प्रमुख सड़कों के निर्माण को मंजूरी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) के उपाध्यक्ष अतुल वत्स ने राजनगर एक्सटेंशन जोन-1 में चार प्रमुख सड़कों के निर्माण को मंजूरी दे दी है। इन सड़कों के निर्माण से राजनगर एक्सटेंशन, ग्राम सिकरोड़, नूरनगर और आसपास के इलाकों में यातायात सुगम होगा और क्षेत्र का नियोजित विकास तेजी से आगे बढ़ेगा। जीडीए द्वारा स्वीकृत सड़कों में एनएच-58 (मेरठ रोड) से आउटर रिंग रोड को जोड़ने वाली 'हम-तुम रोड' शामिल है, जिसकी लंबाई 2700 मीटर और चौड़ाई 24 मीटर होगी, जिसमें मेटल भाग 10.50 मीटर का रहेगा। इस सड़क के साथ 2700 मीटर लंबी सीवर नाली भी बनाई जाएगी और इस परियोजना की अनुमानित लागत 26.42 करोड़ होगी।

इसके अलावा, ग्राम सिकरोड़ में 45 मीटर चौड़ी सड़क, सीवर और ड्रेनेज का कार्य किया जाएगा, जिसकी लंबाई 900 मीटर होगी और दोनों ओर 10.50-10.50 मीटर मेटल भाग रहेगा। इस परियोजना की लागत लगभग 19.76 करोड़ होगी। इसी तरह, बंधा रोड से ग्राम नूरनगर को जोड़ने वाली 18 मीटर चौड़ी सड़क बनाई जाएगी, जिसकी लंबाई 930 मीटर होगी और इस पर 2.42 करोड़ खर्च होने का अनुमान है। इसके अतिरिक्त, रिवर हाइट्स के पीछे वाली 24 मीटर चौड़ी सड़क बनाई जाएगी, जो 18 मीटर चौड़ी सड़क से जुड़ेगी। इस सड़क की लंबाई 320 मीटर होगी और इस पर भी 2.42 करोड़ की लागत आएगी। हाल ही में जीडीए सभागार में जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स और क्रेडाई गाजियाबाद के प्रतिनिधियों के बीच एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि जीडीए उन सड़कों के निर्माण को प्राथमिकता देगा, जिनसे अनुपातिक रूप से मानचित्र स्वीकृति शुल्क (मेप सेक्शन फीस) के रूप में राजस्व प्राप्त हो सके। जीडीए ने यह भी स्पष्ट किया कि जिन बिल्डर्स की भूमि से होकर सड़क निकलेगी, उन्हें मानचित्र स्वीकृति के समय समानुपातिक रूप से अतिरिक्त फ्लोर एरिया रेशियो (एफएआर) प्रदान किया जाएगा। इससे बिल्डर्स को अपने प्रोजेक्ट्स को विकसित करने में सहूलियत मिलेगी और जीडीए को इंफ्रास्ट्रक्चर लागत की भरपाई करने में मदद मिलेगी। इन सड़कों के निर्माण से न केवल राजनगर एक्सटेंशन के रेजिडेंशियल और कमर्शियल क्षेत्रों को फायदा होगा, बल्कि ग्राम सिकरोड़ और नूरनगर के निवासियों को भी यातायात की बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। इससे इस क्षेत्र में निवेश को भी बढ़ावा मिलेगा और गाजियाबाद के सुनियोजित शहरी विकास को नई गति मिलेगी।

अधिकारियों ने किया पेट्रोल पंपों की आकस्मिक जांच

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। शासन से प्राप्त निदेशों के क्रम में जिलाधिकारी एवं अपर जिलाधिकारी (नगर) द्वारा दिये गये निदेशों के अनुपालन में जिला पूर्ति अधिकारी, क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी, पूर्ति निरीक्षक की टीम द्वारा जनपद में स्थापित पेट्रोल पंपों पर दिनांक 27.02.2025 को आकस्मिक जांच की गयी। जिसमें मोदीनगर में स्थित मै० मॉडर्न सर्विस स्टेशन मोदीनगर, मै० बजाज ऑटो मोबाइल मोदीनगर, मै० मोदीनगर फीलिंग स्टेशन मोदीनगर, मै० ऊषा फ्यूल सेंटर मोदीनगर एवं नगर निगम गाजियाबाद में स्थित पंप मै० महादेव फ्यूल सेंटर, पांडव नगर गाजियाबाद की जांच स्वयं जिला पूर्ति अधिकारी अमित तिवारी द्वारा टीम के साथ की गयी। जांच में पायी गयी विभिन्न प्रकार की अनियमितताओं (हवा, पानी, शौचालय, साफ-सफाई आदि) के कम में पेट्रोल पंपों पर नियमानुसार अलग-अलग विधिक कार्यवाही अमल में लायी जा रही है। जिला पूर्ति अधिकारी गाजियाबाद द्वारा समस्त पेट्रोल पंपों को निर्देश दिये गये हैं कि वह अपने पंप पर समस्त व्यवस्थायें सुव्यवस्थित रखेंगे एवं शासन से प्राप्त निदेशों का अक्षरशः अनुपालन करना सुनिश्चित करेंगे। सभी अपने पंप पर पेयजल, हवा, स्वच्छ शौचालय की समुचित व्यवस्था एवं साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखेंगे। सभी पंप संचालक प्रत्येक दशा बिना हेलमेट के वाहन में तेल नहीं देंगे। समय समय पर रेण्डम आधार पर प्रत्येक पेट्रोल पंप की जांच की जायेगी। जहां पर भी अनियमितता पायी जाती है तो संबंधित के विरूद्ध नियमानुसार विधिक कार्यवाही अमल में लायी जायेगी।

पीएम आवास योजना शहरी 2.0 के अंतर्गत 2886 आवेदकों को मिलेगा लाभ

योजना अंतर्गत सफाई कर्मचारी स्ट्रीट वेंडर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं पर होगा स्पेशल फोकसः नगर आयुक्त

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। गाजियाबाद नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के क्रम में गाजियाबाद नगर निगम अधिकारियों तथा तहसील की टीम के साथ बैठक की गई बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के 2886 आवेदनों पर भौतिक सत्यापन करने के निर्देश दिए गए मौके पर अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार यादव, अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार, परियोजना अधिकारी संजय पथरिया, तहसीलदार विवेक मिश्रा उपस्थित रहे। परियोजना अधिकारी संजय पथरिया द्वारा उपस्थित जोनल प्रभारी राजस्व निरीक्षक लेखपाल तथा अन्य तहसील व निगम की टीम को किस प्रकार प्राप्त आवेदनों का सत्यापन करना है विस्तृत जानकारी दी गई आवेदकों की आईडी प्रूफ की जांच करते हुए तथा पात्रता की शर्तों के क्रम में भौतिक सत्यापन करने के लिए कहा गया, नगर आयुक्त द्वारा सभी आवेदकों के भौतिक सत्यापन हेतु टीम को लगभग 8 दिन का समय दिया गया, नगर आयुक्त द्वारा यह भी बताया गया कि योजना अंतर्गत सफाई कर्मचारी, पीएम स्वनिधि योजना के लाभान्वित, स्ट्रीट वेंडर प्रधानमंत्री विश्वकर्म योजना से अच्छादित विभिन्न कामगारों, आंगनबाड़ी कार्यकताओं भवन में अन्य निर्माण श्रमिकों झुग्गियां एवं वरिष्ठ नागरिकों तथा विधवाओं को नियम अनुसार प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के क्रम में जिन आवेदकों के पास अपना अपनी जमीन तथा कच्चा मकान है उनको लाभ दिलाने के लिए कार्यवाही तेजी से चल रही है वरिष्ठ नागरिकों को 30000 विधवाओं तथा निराश्रितों को 20000,6 महीने में मकान कंप्लीट किए जाने पर 10000 अतिरिक्त लाभ दिया जाएगा, बैठक में नगर आयुक्त द्वारा रफ्तार से कार्य करने के निर्देश टीम को दिए गए, अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार यादव को कार्यों की मॉनिटरिंग के लिए विशेष रूप से कहा गया।

बाढ़ के स्थायी समाधान के लिए नदी की स्थानीय परिस्थितियों का करायें सर्वेक्षण: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री का निर्देश, जहां नदी के मेन स्ट्रीम में भरा हो सिल्ट, वहां ड्रेजिंग को दें प्राथमिकता

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाढ़ समस्या के स्थायी समाधान के लिए नदी की स्थानीय परिस्थितियों के अध्ययन के निर्देश दिए हैं। शुक्रवार को बाढ़ सम्बन्धी परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां कहीं नदी के मेन स्ट्रीम में सिल्ट की अधिकता हो, नदी उथली हो, वहां ड्रेजिंग को प्राथमिकता दी जाए और नदी को चैनलाइज किया जाए। यदि ड्रेजिंग से समाधान होना संभव न हो, तब ही तटबंध अथवा कटान निरोधी अन्य उपायों को अपनाया जाये। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सभी नदियों के ड्रोन सर्वेक्षण कर स्थानीय परिस्थितियों के बारे में समुचित जानकारी प्राप्त कर ली जाए।

शासन स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बाढ़ प्रबंधन और जन-जीवन की सुरक्षा के दृष्टिगत जारी तैयारियों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने बाढ़ की दृष्टि से अतिसंवेदनशील/संवेदनशील जिलों, पूर्ण और लंबित परियोजनाओं की अद्यतन स्थिति की भी समीक्षा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में व्यापक जन-धन हानि के लिए दशकों तक कारक रही बाढ़ की समस्या के स्थायी निदान के लिए विगत 08 वर्षों में किए गए सुनियोजित प्रयासों के अच्छे परिणाम मिले हैं। बाढ़ की दृष्टि से अति संवेदनशील जिलों की संख्या में अभूतपूर्व कमी आई है। विशेषज्ञों की सलाह के अनुसार हमने आधुनिकतम तकनीक का प्रयोग कर बाढ़ से खतरे को न्यूनतम करने में सफलता पाई है। बाढ़ से जन-जीवन की सुरक्षा के लिए अंतरविभागीय समन्वय से अच्छा कार्य हुआ है।

बैठक में प्रमुख सचिव सिंचाई ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि जन-धन की सुरक्षा को शीर्ष प्राथमिकता देते हुए 2018-19 से अब तक 1575 बाढ़ परियोजनाएं पूरी की गईं। इसमें 305 परियोजनाएं अकेले वर्ष 2024-25 में पूरी की गई हैं। 2024-25 में हुए प्रयासों से 4.97 लाख हेक्टेयर भूमि और 60.45 लाख की आबादी को लाभ हुआ है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि वर्तमान सत्र के लिए तय की गईं परियोजनाओं का अवशेष कार्य प्राथमिकता के आधार पर नियत समय के भीतर पूरा करा लिया जाए। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं में देरी से न केवल कार्य प्रभावित होता है, बल्कि वित्तीय बजट भी बढ़ता है। ऐसे में सभी को निर्धारित समय सीमा में पूरा किया जाना चाहिए। किसी भी परियोजना का बजट पुनरीक्षण नहीं किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में बाढ़ की दृष्टि से 24 जनपद अति संवेदनशील श्रेणी में हैं। इसमें महाराजगंज, कुशीनगर, लखीमपुर खीरी, गोरखपुर, बस्ती, बहराइच, बिजनौर, सिद्धार्थनगर, गाजीपुर, गोण्डा, बलिया, देवरिया, सीतापुर, बलरामपुर, अयोध्या, मऊ, फरुर्खाबाद, श्रावस्ती, बदायूं, अम्बेडकर नगर, आजमगढ़, संतकबीर नगर, पीलीभीत और बाराबंकी शामिल हैं। जबकि सहारनपुर, शामली, अलीगढ़, बरेली, हमीरपुर, गौतमबुद्ध नगर, रामपुर, प्रयागराज, बुलन्दशहर, मुरादाबाद, हरदोई, वाराणसी, उन्नाव, लखनऊ, शाहजहांपुर और कासगंज संवेदनशील प्रकृति के हैं। यहां विभाग को अलर्ट मोड में रहना होगा। अति संवेदनशील तथा संवेदनशील तटबंधों का वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा निरीक्षण किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में बाढ़ से सुरक्षा के लिए विभिन्न नदियों पर 3869 किमी लंबाई वाले 523 तटबंध निर्मित हैं, जबकि 60047 किलोमीटर लंबाई के 10727 ड्रेन हैं। बाढ़ की आशंका को देखते हुए सभी तटबंधों की सतत निगरानी की जाए। सभी ड्रेन की सफाई 31 मार्च के पहले करा ली जाए। राज्य स्तर और जिला स्तर पर बाढ़ राहत कंट्रोल रूप 247 एक्टिव मोड में रहें। उन्होंने कहा कि श्रावस्ती, गोण्डा, सीतापुर, हरदोई एवं बाराबंकी में प्रस्तावित कार्यों को समय से गुणवत्ता के साथ पूरा कर लिया जाए। साथ ही नदियों में अवैध खनन की गतिविधि कहीं भी न हो सके, इसके लिए लगातार मॉनीटरिंग की जाती रहे।

महाकुम्भ एक याद बन गया, लेकिन इसकी गूंज सदियों तक रहेगी

45 दिन का अद्भुत आध्यात्मिक संगम, जो यादों में अमर रहेगा

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

- **महाकुम्भ में बिताए पल, संतों की वाणी और आध्यात्मिक अनुभूतियां सजीव बनी रहेंगी**
- **स्वच्छता अभियान ने रखा आध्यात्मिक विरासत को जीवित**

प्रयागराज। प्रयागराज महाकुम्भ 45 दिनों तक आस्था, श्रद्धा और संस्कृति का केंद्र बना रहा। करोड़ों श्रद्धालुओं ने यहां पुण्य स्नान किया, संतों-महात्माओं के प्रवचन सुने और दिव्य वातावरण का आनंद लिया। अब जब महाकुम्भ का समापन हो गया है तो यह एक याद बनकर दिलों में बस गया है।

संगम तट सूना, लेकिन स्मृतियां जीवंत

महाकुम्भ के दौरान जो घाट भक्तों से भरे रहते थे, वे अब सूने हो चुके हैं। श्रद्धालु अपने-अपने गंतव्य की ओर लौट चुके हैं, लेकिन संगम की लहरों में अभी भी आरती की गूंज महसूस होती है। महाकुम्भ में बिताए पल, संतों की वाणी और आध्यात्मिक अनुभूतियां श्रद्धालुओं के हृदय में सजीव बनी रहेंगी।

भव्य आयोजन, सफाई कर्मियों को नमन

महाकुंभ के सफल आयोजन में प्रशासन, सुरक्षा बलों और विशेष रूप से सफाई कर्मियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इन कर्मयोगियों का आभार व्यक्त किया और उनके योगदान को सराहा। कुम्भ क्षेत्र को स्वच्छ बनाए रखने के लिए सफाई कार्य अभी भी जारी है।

संकल्पः गंगा-यमुना की निर्मलता और संस्कृति की रक्षा

महाकुंभ के समापन ने पर्यावरणीय जिम्मेदारी पर भी चर्चा को तेज कर दिया है। महाकुम्भ ने एक बार फिर गंगा और यमुना की पवित्रता बनाए रखने की प्रेरणा दी है। इस भव्य आयोजन की समाप्ति के साथ, सभी को संकल्प दिलाया है कि मां गंगा और यमुना को स्वच्छ और अविरल बनाए रखने में योगदान देंगे, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी इस दिव्य अनुभव का आनंद ले सकें।

स्वच्छता से जुड़े एक स्थानीय अधिकारी ने कहा, 'महाकुंभ भले ही खत्म हो गया हो, लेकिन इसका संदेश हमेशा जिंदा रहेगा। हमारी नदियों और परिवेश की शुद्धता को बनाए रखना हम सभी का कर्तव्य है।'

योगी सरकार ने बागपत और कासगंज में मेडिकल कॉलेज के निर्माण को दी हरी झंडी

हाथरस में पीपीपी मोड पर मेडिकल कॉलेज और बलरामपुर में केजीएमयू के सैटेलाइट सेंटर को मेडिकल कॉलेज के रूप में किया जाएगा स्थापित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को लगातार विस्तार दिया जा रहा है। वन डिस्ट्रिक्ट, वन मेडिकल कॉलेज (ओडीओएम) के संकल्प को पूरा करने में जुटी योगी सरकार ने इस दिशा में एक और कदम बढ़ाया है। इसी क्रम में योगी सरकार द्वारा बागपत और कासगंज में नए मेडिकल कॉलेजों के निर्माण को मंजूरी दी गई है, जिससे इन जनपदों के नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी। साथ ही हाथरस में पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मोड के तहत मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की प्रक्रिया को भी हरी झंडी दी गई है। इसके अलावा बलरामपुर में किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) के सैटेलाइट सेंटर को मेडिकल कॉलेज के रूप में विकसित करने की योजना को भी स्वीकृति दी गई है।

सीएम योगी आदित्यनाथ सरकार का संकल्प है कि उत्तर प्रदेश के हर जिले में मेडिकल कॉलेज स्थापित किया जाए। इसी दिशा में बागपत, कासगंज और हाथरस में मेडिकल कॉलेजों की स्थापना बड़ा कदम है। योगी सरकार ने इन परियोजनाओं को वॉयबिलिटी गैप फंडिंग के तहत मंजूरी दी है, जिससे सरकारी और निजी साझेदारी (पीपीपी मोड) के जरिए स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार किया जाएगा। गौरतलब है कि स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार सीएम योगी की प्राथमिकता में है। इसी क्रम में हर जिले में मेडिकल कॉलेज की स्थापना से न केवल स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ होंगी, बल्कि प्रदेश में मेडिकल एजुकेशन को भी नया आयाम मिलेगा। विगत दिनों हुई बैठक में सीएम योगी ने कहा कि नए उत्तर प्रदेश की ओर हमारा यह मजबूत कदम है, जहां हर व्यक्ति को बेहतर चिकित्सा सुविधा मिलेगी। सीएम ने अधिकारियों को समय से नए मेडिकल कॉलेज के निर्माण का काम पूरा करने के निर्देश दिये।

मेडिकल कॉलेजों की स्थापना को लेकर योगी सरकार के निर्णय से न केवल चिकित्सा सुविधाओं में सुधार होगा, बल्कि प्रदेश के युवाओं को रोजगार के नए अवसर भी प्राप्त होंगे। इन नए मेडिकल कॉलेजों से डॉक्टर, नर्स, पैरामेडिकल स्टाफ और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों की संख्या में बढ़ोतरी होगी। इसके अलावा योगी सरकार ने यह भी सुनिश्चित किया है कि मेडिकल कॉलेजों में आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, जिससे यहां के छात्र किसी भी अन्य बड़े मेडिकल संस्थान के मुकाबले बेहतरीन शिक्षा प्राप्त कर सकें। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि मेडिकल कॉलेजों के निर्माण और संचालन में गुणवत्ता से कोई समझौता न किया जाए। बैठक में सीएम ने बागपत, कासगंज और हाथरस में मेडिकल कॉलेजों के संचालन के लिए न्यूनतम निविदादाता के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है। यह मेडिकल कॉलेज पीपीपी मोड पर स्थापित किए जाएंगे, जिसमें सरकारी सहयोग के साथ-साथ निजी क्षेत्र की भागीदारी भी सुनिश्चित की जाएगी।

महाकुम्भ मेला क्षेत्र में 15 दिनों के विशेष स्वच्छता अभियान की शुरूआत

महाकुम्भ के समापन अवसर पर सीएम योगी ने दिये स्वच्छता अभियान चलाने के निर्देश

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

प्रयागराज। प्रयागराज के संगम तट पर पिछले 45 दिनों से सनातन आस्था और अध्यात्म का अनवरत प्रवाह महाकुम्भ पर्व के रूप में संपन्न हुआ। सीएम योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में महाकुम्भ 2025 का आयोजन जहां अपनी दिव्यता और भव्यता के लिए जाना गया तो वहीं महाकुम्भ में स्वच्छता के भी कई कीर्तिमान बने। इसी क्रम में महाकुम्भ के समापन अवसर पर सीएम योगी ने स्वच्छताकर्मियों को सम्मानित किया। साथ ही अगले 15 दिन विशेष स्वच्छता अभियान चला कर महाकुम्भ मेला क्षेत्र को स्वच्छ और निर्मल बनाने का निर्देश भी दिया है। मेले की विशेष कार्याधिकारी आकांक्षा राना के मार्गदर्शन में स्वच्छता मित्रों और गंगा सेवा दूतों ने शुक्रवार से ही मेला क्षेत्र में विशेष स्वच्छता अभियान की शुरूआत कर दी है। आने वाले 15 दिनों में प्रयागराज के संगम क्षेत्र, घाटों और मेले की स्थाई व आस्थाई सड़कों को साफ और स्वच्छ किया जाएगा।

विश्व के सबसे बड़े मानवीय समागम महाकुम्भ के अवसर पर लगभग 66 करोड़ से ज्यादा लोगों ने पवित्र त्रिवेणी संगम में स्नान किया। सीएम योगी की मंशा के अनुरूप महाकुम्भ को दिव्य-भव्य के साथ स्वच्छ महाकुम्भ के तौर पर भी संचालित किया गया। 15,000 से अधिक स्वच्छता मित्रों और लगभग 2000 गंगा सेवा दूतों ने निरंतर गंगा नदी और मेला क्षेत्र को साफ और स्वच्छ बनाये रखने में कोई कसर बाकी नहीं रखी। इसी क्रम में महाकुम्भ के समापन अवसर पर सीएम योगी ने स्वच्छता कर्मियों और गंगा सेवा दूतों को सम्मानित करने के साथ मेला क्षेत्र, संगम के घाटों और प्रयागराज नगर को स्वच्छ और निर्मल बनाने का निर्देश दिया है। ताकि महाकुम्भ के बाद भी तीर्थराज प्रयागराज में आने वाले श्रद्धालु साफ और स्वच्छ संगम में पवित्र स्नान कर सकें। मेले की विशेष कार्यधिकारी आकांक्षा राना ने सीएम योगी के निदेशों के अनुरूप शुक्रवार से महाकुम्भ मेला क्षेत्र की सफाई के विशेष अभियान की शुरूआत कर दी है। जिसके तहत अगले 15 दिनों तक निरंतर संगम के घाटों, मेला क्षेत्र, मंदिरों और स्थाई व अस्थाई सड़कों को साफ और स्वच्छ करने का कार्य किया जाएगा। इसके साथ ही मेला क्षेत्र में लगाये गये 1.5 लाख अस्थाई शौचालयों को भी डिसमेंटल कर हटाया जाएगा। मेला क्षेत्र से निकलने वाले कूड़े का निस्तारण नैनी स्थित बसवार प्लांट में किया जाएगा। इसके साथ ही जल निगम नगरीय और ग्रामीण की ओर से बिछाई गई पाइप लाइन और विद्युत विभाग की ओर से लगाई गई स्ट्रीट लाइटों को भी मेले क्षेत्र से हटाने का कार्य शुरू हो गया है।

यूपी की जेलों में बंद बंदियों के बाद अब महाकुम्भ के पुण्य स्नान से वंचित प्रदेश की जनता को मिला त्रिवेणी के पवित्र जल से स्नान का अवसर

अग्नि शमन विभाग की 300 से अधिक दमकल त्रिवेणी का पावन जल लेकर विभिन्न जनपदों के लिए रवाना

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। प्रयागराज महाकुम्भ में इतिहास रचते हुए 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने संगम में पुण्य की डुबकी लगाई। इस पुण्य त्रिवेणी के जल की डुबकी से कोई छूट न जाए, सभी की आस्था और धार्मिक भावनाओं का सम्मान करते हुए योगी सरकार प्रदेश में किसी वजह से महा कुम्भ न पहुंच सके लोगों के लिए भी त्रिवेणी के जल से पुण्य स्नान का नायाब अवसर दे रही है। योगी सरकार ने निर्देश पर अग्नि शमन एवं आपात सेवा विभाग ने इसकी जिम्मेदारी संभाली है

प्रयागराज महाकुम्भ का पुण्य लाभ प्राप्त करने के लिए देश और दुनिया भर से 66 करोड़ 33 लाख लोग त्रिवेणी के तट पर महा कुम्भ में पहुंचे। इसके अलावा जेल में बंद बंदियों की आस्था और धार्मिक भावनाओं का सम्मान करते हुए भी पहली बार किसी सरकार ने उन्हें जेल के अंदर ही त्रिवेणी के पुण्य जल से स्नान का मौका दिया । प्रदेश की जेलों में बंद 90 हजार से अधिक कैदियों और बंदियों को इसका अवसर प्रदान करने की नायाब पहल के बाद प्रदेश में महाकुम्भ आने से वंचित रह गए लोगों के लिए भी सरकार ने पुण्य अर्जित करने का अवसर दिया । इसकी शुरूआत शुक्रवार को त्रिवेणी संगम में अग्नि शमन एवं आपात सेवा विभाग की तरफ से हुई है। महाकुम्भ के मुख्य अग्नि शमन अधिकारी प्रमोद शर्मा का कहना की शासन के निर्देश पर प्रदेश के 75 जिलों से महा कुम्भ आई दमकल का पानी खाली कराकर संगम के पवित्र जल को इनमें भरकर संगम से सभी जिलों के लिए रवाना कर दिया गया है। इस पुण्य जल से महा कुम्भ आने से वंचित रह गए लोग स्नान कर सकेंगे। यूपी के अग्निशमन तथा आपात सेवा ने प्रदेश के सभी 75 जनपदों में आज से संगम का जल पहुंचाने की नायाब पहल की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को प्रयागराज पहुंचने पर निर्देश दिए थे कि जो लोग किन्हीं कारणों से महाकुम्भ में स्नान करने नहीं आ पाए हैं, उनके लिए सरकार संगम का जल भिजवाएगी। मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप अब अग्निशमन तथा आपात सेवा ने संगम का जल दमकल में भरकर सभी जनपद के लिए रवाना कर दिया है। महा कुम्भ के मुख्य अग्नि शमन अधिकारी प्रमोद शर्मा का कहना है कि महाकुम्भ में 300 अधिक से दमकल प्रदेश के विभिन्न जिलों से मंगाई गई थी। इन सभी की जल धारण क्षमता अलग अलग है, लेकिन लगभग 5000 लीटर पानी एक दमकल में आता है। ऐसे में 5 लाख लीटर से अधिक संगम का जल इन दमकलों के माध्यम से यहां से भेजा जा रहा है। विभिन्न जनपदों के जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद कर जिला प्रशासन इसे महा कुम्भ आने से वंचित रह गए लोगों तक उपलब्ध कराएगा।

महाकुम्भ से मिला आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा: प्रदेश में पांच नए आध्यात्मिक कॉरिडोर हुए विकसित

प्रयागराज से श्रद्धालुओं के लिए आसान होगा अन्य धार्मिक स्थलों तक पहुंचना

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

- **मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी गुरुवार को प्रयागराज दौरे पर प्रमुखता से किया था उल्लेख**

प्रयागराज। महाकुम्भ 2025 ने उत्तर प्रदेश में आध्यात्मिक पर्यटन की नई संभावनाओं के द्वार खोल दिए हैं। इस महाआयोजन के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार ने पांच प्रमुख आध्यात्मिक कॉरिडोर विकसित किए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी गुरुवार को प्रयागराज दौरे पर पुलिस जवानों, स्वच्छता कर्मियों, स्वास्थ्य कर्मियों, नाविकों, मीडियाकर्मियों और परिवहन चालकों एवं परिचालकों को धन्यवाद देते हुए प्रमुखता से इसका उल्लेख किया। इन कॉरिडोर के माध्यम से श्रद्धालु प्रदेश भर में आसानी से विभिन्न धार्मिक स्थलों की यात्रा कर सकेंगे, जिससे आध्यात्मिक पर्यटन को नई गति मिलेगी। पांच प्रमुख आध्यात्मिक कॉरिडोर-

1. प्रयाग-विन्ध्याचल-काशी कॉरिडोर

इस कॉरिडोर के माध्यम से श्रद्धालु प्रयागराज से विन्ध्याचल देवीधाम और फिर काशी (वाराणसी) तक की यात्रा कर सकेंगे, जो शक्ति और शिव उपासना का प्रमुख मार्ग होगा।

2. प्रयागराज-अयोध्या-गोरखपुर कॉरिडोर

यह कॉरिडोर भगवान राम और गोरखनाथ परंपरा से जुड़ा है। प्रयागराज में त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाने, लेते हनुमान, अक्षय वट, सरस्वती कूप के दर्शन कर अयोध्या में रामलला के दर्शन के लिए जा सकेंगे। अयोध्या के बाद श्रद्धालु गोरखपुर जाकर गोरखनाथ मंदिर में मत्था टेक सकेंगे।

3. प्रयागराज-लखनऊ-नैमिषारण्य कॉरिडोर

यह मार्ग श्रद्धालुओं को लखनऊ होते हुए नैमिषारण्य धाम तक ले जाएगा, जो हिंदू धर्म के 88 महातीर्थों में से एक है और 88 हजार ऋषियों की तपस्थली के रूप में प्रसिद्ध है। इसे भगवान ब्रह्मा, भगवान विष्णु, देवी सती और भगवान शिव से जोड़ा जाता है।

4. प्रयागराज-राजापुर (बांदा)-चित्रकूट कॉरिडोर

भगवान राम के वनवास से जुड़ा यह मार्ग श्रद्धालुओं को चित्रकूट धाम तक ले जाएगा, जहां कामदगिरि पर्वत, रामघाट और हनुमान धारा जैसे प्रसिद्ध धार्मिक स्थल हैं। वहीं राजापुर गोस्वामी तुलसीदास की जन्मस्थली है, जिन्होंने श्रीरामचरितमानस, विनय पत्रिका आदि बहुत सी धार्मिक ग्रंथों की रचना की थी।

5. प्रयागराज-मथुरा-वृंदावन-शुकतीर्थ (बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के माध्यम से)

इस कॉरिडोर के तहत श्रद्धालु बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के जरिए मथुरा-वृंदावन और फिर शुकतीर्थ तक जा सकेंगे, जो भगवान श्रीकृष्ण और महर्षि शुक्राचार्य की तपस्थली के रूप में प्रसिद्ध है। इसके आगे श्रद्धालु भगवान श्रीकृष्ण की जन्मस्थली और बाल्यकाल से जुड़े मथुरा वृंदावन की भी सैर कर सकेंगे।

यू.पी.ऑब्ज़र्वर

सम्पादकीय

भारत-यूरोपीय संघ साझेदारी, नए आर्थिक और रणनीतिक रास्तों की तलाश

पिछले कुछ वर्षों के दौरान वैश्विक स्तर पर सहयोग के समीकरणों में तेजी से बदलाव हो रहा है, उसमें ज्यादातर देशों के लिए यह बात मायने रखती है कि आर्थिक, रणनीतिक और कूटनीतिक मोर्चे पर भारत का रुख क्या रहता है। यह बेवजह नहीं है कि अलग-अलग देश अपने तरीके से भारत के साथ सहयोग के नए रास्ते खोजने की कोशिश कर रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप के इस बार राष्ट्रपति बनने के बाद कई मसलों पर अमेरिका का रुख छिपा नहीं है। ट्रंप के कई बयानों से वैश्विक स्तर पर उपजी अनिश्चितता के बीच यह स्वाभाविक ही है कि दूसरे देश भावी अवरोधों के मद्देनजर नए और वैकल्पिक रास्तों की ओर कदम बढ़ाएं। इस लिहाज से देखें तो यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वान डेर लेयेन की ताजा भारत यात्रा की अपनी अहमियत है। गौरतलब है कि बढ़ती वैश्विक चिंताओं के बीच यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष का मुख्य उद्देश्य व्यापार, निवेश और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्रों में भारत के साथ सहयोग को बढ़ाना है। उनके साथ सत्ताईस सदस्य देशों के वरिष्ठ राजनीतिक नेता भी भारत दौरे पर आए हैं। भारत के प्रधानमंत्री के साथ बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने आपसी साझेदारी को और ज्यादा मजबूत करने के साथ-साथ भारत, पश्चिम एशिया, यूरोप आर्थिक गलियारे जैसी अत्यधिक महत्त्वपूर्ण संपर्क परियोजनाओं पर व्यापक चर्चा की। यूरोपीय संघ और भारत के बीच व्यापार लगभग एक सौ साठ बिलियन डालर का है। फिलहाल यूरोप में करीब पचास लाख भारतीय रहते हैं और भारतीय पेशेवरों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। जाहिर है, अगर यूरोपीय संघ और भारत के बीच साझेदारी का नया अध्याय शुरू होता है, तो उसमें इन तथ्यों की अहम भूमिका रहेगी। यही वजह है कि यूरोपीय संघ की अध्यक्ष की यात्रा के दौरान दोनों पक्षों ने व्यापार और निवेश के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की दिशा में कई महत्त्वपूर्ण कदम उठाने पर संवाद को आगे बढ़ाया है। इस क्रम में मुक्त व्यापार समझौते के जरिए दोनों क्षेत्रों में व्यापार को बढ़ावा देने, बाजार तक पहुंच में सुधार लाने और परस्पर आर्थिक सहयोग को और मजबूत करने की दिशा में कुछ महत्त्वपूर्ण फैसले लिए जा सकते हैं। साथ ही, बाहरी अंतरिक्ष, रक्षा, जल प्रबंधन और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में भी सहयोग की संभावना बेहतर होने की उम्मीद है। एक रपट के मुताबिक, भारत में मौजूदा समय में छह हजार से अधिक यूरोपीय कंपनियां काम कर रही हैं। वे लाखों नौकरियों का सृजन कर रही हैं और इस तरह भारत के आर्थिक विकास में योगदान दे रही हैं। ऐसे में अगर यूरोपीय संघ और भारत के बीच आर्थिक सहयोग का माहौल बेहतर हो तो दोनों पक्षों के बीच निवेश के नए रास्ते खुल सकते हैं और कारोबारी माहौल में और सुधार हो सकता है। हालांकि इस संदर्भ में यह भी ध्यान में रखने की जरूरत है कि यूरोपीय संघ अगर भारत के साथ अपने व्यापार संबंधों को बढ़ाने की कोशिश में है, तो इसके पीछे चीन के जोखिम से पार पाना भी एक मुख्य कारण है। यूरोपीय संघ से कार, शराब और अन्य उत्पादों पर ऊंचे आयात शुल्क, यूरोपीय बाजार में उसकी दवाओं और रसायनों तक भारत की ज्यादा पहुंच, भारत की ओर से कार्बन टैक्स के प्रस्ताव का विरोध, डेटा सुरक्षा आदि कई ऐसे बिंदु हैं, जिन पर सहमति की बुनियाद पर ही दोनों पक्षों के बीच संबंधों का यह सफर आगे बढ़ सकेगा। यह जरूरी होगा कि अगर इस वर्ष के अंत तक एक मुक्त व्यापार समझौता सामने आता है, तो वह आपसी हितों को सुनिश्चित करने वाला हो।

कब थमेगा जोखिम का पहाड़?

उत्तराखंड में हिमस्खलन ने एक बार फिर तबाही मचाई है। इस पहाड़ी क्षेत्र में बर्फ की चट्टानें खिसकना कोई नई बात नहीं है, लेकिन कुछ समय के अंतराल में बार-बार होने वाली ऐसी घटनाएं डराती हैं। लगभग हर वर्ष होने वाले हिमस्खलन में कई लोगों की मौत हो जाती है। पर्वतारोहियों से लेकर आम नागरिक और निर्माण कार्यों में लगे मजदूर आए दिन हिमस्खलन की चपेट में आते रहे हैं। उन्हें बचाने का हरसंभव प्रयास होता है, लेकिन लापता हुए लोगों का कई बार पता नहीं चल पाता। हालांकि हिमालयी क्षेत्र में बर्फ की भारी चट्टानें खिसकने की घटनाएं होती रही हैं, मगर पिछले एक दशक में इसकी आवृत्ति जिस तरह बढ़ी है, उस पर अब सोचने की आवश्यकता है। गौरतलब है कि बदरीनाथ से तीन किलोमीटर दूर माणा गांव में हिमस्खलन से मची तबाही से लोग एक बार फिर सहम उठे हैं। खबरों के मुताबिक, शुक्रवार को हुई घटना में सत्तावन लोग बर्फ के नीचे दब गए थे। इनमें से ज्यादातर लोगों को किसी तरह बाहर निकाल लिया गया। यों हिमस्खलन की चेतावनी एक दिन पहले ही जारी कर देने की बात कही गई है, लेकिन ऐसा लगता है कि यह सूचना उन निर्माण मजदूरों तक नहीं पहुंच पाई या फिर किसी स्तर पर इस मामले में लापरवाही बरती गई। अन्यथा हादसे में लोगों को जोखिम से बचाया जा सकता था। दरअसल, पिछले कुछ समय से हिमस्खलन की घटनाओं में बढ़ोतरी की एक वजह प्राकृतिक है, तो दूसरी वजह असंतुलित विकास और पर्यावरण की उपेक्षा। उपभोक्तावादी संस्कृति को प्रोत्साहित कर और उसे अपना कर जिस तरह वैश्विक तापमान को बढ़ाया गया है, उससे न केवल जल-जंगल और जमीन पर प्रभाव पड़ा है, बल्कि समुद्र तथा पहाड़ भी इससे अछूते नहीं रहे। प्रकृति की प्रतिक्रिया हम जलवायु परिवर्तन के रूप में देख सकते हैं। कहीं सूखा तो कहीं बाढ़ और कहीं जंगलों में आग से लेकर हिमस्खलन की बढ़ती घटनाएं इसी का संकेत दे रही हैं। हिमस्खलन जैसी घटनाओं के प्रति सावधानी और जनजागरूकता से कुछ हद तक जानमाल के नुकसान को कम किया जा सकता है। मगर पहाड़ी इलाकों में जिस तरह मनुष्यों का बेतहाशा हस्तक्षेप बढ़ा है, उसमें सड़क से लेकर अन्य अनियोजित निर्माण कार्यों के गंभीर नतीजे अब सामने आ रहे हैं।

मोदी-योगी के प्रयासों से दिव्य व भव्य अद्भुत महाकुंभ कीर्तिमान बनाते हुए संपन्न

महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर 26 फरवरी के सूर्यास्त के साथ ही महाकुंभ का समापन हो चुका है,13 जनवरी से 26 फरवरी 45 दिन में 66 करोड़ से ज्यादा लोगों ने महाकुंभ में डुबकी लगाई है। महाकुंभ के दौरान त्रिवेणी के घाटों पर डुबकी लगाने वालों की यह संख्या दुनिया के 193 देशों की आबादी से ज्यादा है। दुनिया में सिर्फ भारत और चीन की आबादी महाकुंभ 2025 में आए श्रद्धालुओं से अधिक है। वैसे भी महाकुंभ 2025 ने देश व दुनिया में विश्व के सबसे प्राचीन सनातन धर्म की महान संस्कृति व अद्भुत परंपराओं की दिव्यता का डंका बजाने का कार्य बखूबी किया है।मोदी व योगी सरकार के प्रयासों से इस बार प्रयागराज में संगम की पावन धारा में देश व दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में बसे हुए लगभग 120 करोड़ सनातन धर्म के अनुयायियों में से लगभग 66 करोड़ से लोगों ने संगम में एक दिव्य अलौकिक डुबकी लगा करके अपने तन-मन की शुद्धि और आत्मा की तृप्ति करने वाला दिव्य अलौकिक अनुभव प्राप्त कराने का कार्य किया है।इस बार महाकुंभ में 75 देशों के डेलीगेट भी आये थे, देश व दुनिया के विभिन्न बड़े सेलिब्रिटी व उधोगपति भी आये थे, जो सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार के मद्देनजर एक बहुत ही अच्छा व सकारात्मक संकेत है।

वहीं दूसरी तरफ महाकुंभ के दौरान देश में चंद लोगों की एक ऐसी जमात भी खडी हो गयी थी, जिन्हें महाकुंभ में सबकुछ गलत होता हुआ ही नजर आ रहा था। उन लोगों की जमात को महाकुंभ में बेहद खराब व्यवस्था नजर आ रही थी, गिद्ध दृष्टि के चलते हर तरफ गंदगी का अंबार लगा हुआ नजर आ रहा था, नदी में जल की जगह मल-मूत्र वाला नालों का जहरीला गंदा पानी नजर आ रहा था, जगह-जगह भोजन-पानी के लिए तरसते श्रद्धालु नजर आ रहे थे, महाकुंभ में लूट-खसोट नजर आ रही थी, पूजा-पाठ की जगह धार्मिक पाखंड नजर आ रहा था, सुविधाओं के भारी अभाव के चलते तिल-तिल कर मरते लोग नजर आ रहे थे, जगह-जगह जाम का झाम आदि ही केवल नजर आ रहा था, जिसका इन लोगों के गैंग ने मीडिया व सोशल मीडिया के विभिन्न ताकतवर प्लेटफार्मों पर पहले ही दिन से अपने चंद क्षणिक स्वार्थों की पूर्ति के लिए जमकर के फैलाते हुए दुष्प्रचार करने का कार्य किया था। लेकिन 144 वर्ष बाद लगने वाले महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं ने इन दुष्प्रचार करने वाले लोगों के गैंग की एक भी ना सुनी और 13 जनवरी से 26 फरवरी महाकुंभ के समापन तक 66 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं ने महाकुंभ में पहुंच करके स्नान करके दुनिया के किसी भी तरह के आयोजन में सबसे ज्यादा लोगों के पहुंचने का कीर्तिमान बनाकर नया इतिहास रच डालने का कार्य कर दिया। महाकुंभ में दुनिया के 193 देशों की आबादी से अधिक श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई और महाकुंभ नगरी में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में इंतजामों की पूरी ही व्यवस्था अकल्पनीय अद्भुत नजर आयी।

हालांकि अब महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर अंतिम स्नान 26 फरवरी 2025 के साथ त्रिवेणी के तट पर 13 जनवरी 2025 से सजा हुआ सनातन धर्म, संस्कृति व परंपराओं के अद्भुत महाकुंभ का मेला नित-नए कीर्तिमान को स्थापित करते हुए दिव्य, भव्य, नव्य व अलौकिक अनुभूति के साथ संपन्न हो गया है। आंकड़ों की बात करें तो महाकुंभ 2025 के समापन तक प्रयागराज में त्रिवेणी के विभिन्न घाटों पर लगभग 66 करोड़ से ज्यादा लोगों ने स्नान करके महाकुंभ को विश्व का सबसे बड़ा आयोजन होने का कीर्तिमान भारत के नाम करने का काम कर दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व में यह एक ऐसा रिकॉर्ड बन गया है, जिसको किसी भी देश के द्वारा तोड़ना असंभव है। लेकिन इसके साथ ही महाकुंभ आयोजन की सबसे बड़ी बात यह रही कि 66 करोड़

से ज्यादा लोगों को स्नान करवाने लिए संगम नगरी को तैयार करने की बहुत बड़ी चुनौती पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पूरी तरह से खरे उतरे, उन्होंने इस असंभव कार्य को दिन-रात पूरी टीम के साथ मेहनत करते हुए धरातल पर संभव करके देश व दुनिया को दिखा दिया है।

वैसे देखा जाए तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार के प्रयासों से व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यूपी सरकार के प्रचार-प्रसार, प्रयासों के चलते ही महाकुंभ 2025 के शुरू होने से पहले ही लगभग 40-45 करोड़ लोगों के आने का अनुमान लगाया जाने लगा था, लेकिन समापन महाशिवरात्रि तक संगम तट पर 66 करोड़ से ज्यादा लोगों की भारी भरकम भीड़ उमड़ पड़ी, उस भारी-भीड़ ने देश व दुनिया को दिखा दिया कि अलग-अलग हिस्सों में बसे हुए सनातन धर्मी एकजुट, नियम कायदे कानून पसंद व बेहद ही अनुशासित हैं। तभी तो हजारों किलोमीटर की दूरी से आ कर के बहुत लंबी पैदल यात्रा करने के बाद भी संगम में उन सभी भक्तों के द्वारा अनुशासित होकर के स्नान की एक डुबकी लगाकर के सनातन धर्म, संस्कृति, परंपराओं व ईश्वर भक्ति के अटूट विश्वास को बयां करने का कार्य देश व दुनिया में बखूबी किया है और सनातन धर्म संस्कृति पर आये दिन तरह-तरह से प्रश्नचिन्ह लगाने वाले लोगों को शांतिपूर्ण ढंग से जवाब दिया है। श्रद्धालुओं का यह कहना बिल्कुल भी गलत नहीं है कि प्रयागराज व पूरी महाकुंभ नगरी क्षेत्र केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा किये गये विभिन्न कार्यों की दिव्यता की झलक देश व दुनिया तक बयां करने का कार्य बखूबी कर रहा है। देश व दुनिया से आये हुए संत-महात्माओं, नागा साधुओं व सनातन धर्म के अनुयायियों को त्रिवेणी संगम में पुण्य स्नान करा कर उन्हें प्राचीन व आधुनिकता के संगम से परिपूर्ण एक दिव्य अलौकिक आध्यात्मिक अनुभूति प्राप्त कराने के लिए योगी सरकार ने कोई कोर-कसर धरातल पर नहीं छोड़ी है। महाकुंभ में डुबकी लगाने वाले श्रद्धालुओं ने अकल्पनीय दिव्य एवं भव्य आयोजन की सराहना करते हुए महाकुंभ के सफल आयोजन को योगी आदित्यनाथ सरकार की एक बहुत ही बड़ी ऐतिहासिक उपलब्धि बताया है।

वैसे भी देश व दुनिया के सनातन धर्म के अधिकांश लोगों का मानना है कि योगी आदित्यनाथ के प्रयासों के चलते ही इस भव्य दिव्य अद्भुत अलौकिक धार्मिक आयोजन को दुनिया के इतिहास में हमेशा याद रखा जाएगा। योगी सरकार ने जिस तरह से महाकुंभ में आये लगभग 66 करोड़ से ज्यादा लोगों की सुख-सुविधाओं के लिए भव्य आधुनिक इंतजाम किये वह प्रशंसनीय है। उन्होंने पूरे महाकुंभ में मुख्यमंत्री के रूप में सर्वाधिक बार आने का रिकॉर्ड बनाकर देश व दुनिया के सनातन धर्मियों को भावनात्मक रूप से यह एहसास करवाने का कार्य किया है कि वह सनातन धर्म की केवल अपने भाषणों में बात ही नहीं करते हैं, बल्कि मुख्यमंत्री होने के बावजूद भी वह देश की मूल आत्मा सनातन धर्म, संस्कृति व उसकी परंपराओं को रोजमर्रा के अपने जीवन में जीने का कार्य करते हैं और उसके प्रचार-प्रसार व हित के लिए निष्ठा व ईमानदारी से धरातल कार्य करते हैं।

श्रृंगी ऋषि के राम

ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी को इस जन्म में अक्षरबोध न होने पर भी, एक विशेष समाधि अवस्था में, शवासन की मुद्रा में लेट जाने पर पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर, भगवान राम के दिव्य जीवन को प्रवचनों में साक्षात वर्णित किया है

ब्रह्मचारी कृष्ण दत्त जी का जन्म 27 सितम्बर, सन 1942 को गाजियाबाद जिले के ग्राम खुर्रमपुर-सलेमाबाद में हुआ,वे जन्म से ही जब भी सीधे, श्वासन की मुद्रा में लेट जाते या लिटा दिये जाते,तो उनकी गर्दन दायें-बायें हिलने लगती, कुछ मन्त्रोच्चारण होता और उपरान्त विभिन्न ऋषि-मुनियों के चिन्तन और घटनाओं पर आधारित 45 मिनट तक, एक दिव्य प्रवचन होता। पर इस जन्म में गरीब परिवार में जन्म लेने के कारण अक्षर बोध भी न कर सके,ऐसे ग्रामीण बालक के मुख से ऐसे दिव्य प्रवचन सुनकर जन-मानस आश्चर्य करने लगा,बालक की ऐसी दिव्य अवस्था और प्रवचनों की गूढ़ता के विषय में कोई भी कुछ कहने की स्थिति में नहीं था। इस स्थिति का स्पष्टीकरण भी दिव्यात्मा के प्रवचनों से ही हुआ, कि यह आत्मा सृष्टि के आदिकाल से ही विभिन्न कालों में, शृङ्गी ऋषि की उपाधि से विभूषित और इसी आत्मा के द्वारा राजा दशरथ के यहाँ पुत्रेष्टि याग कराया गया,और अब जब वे समाधि अवस्था में पहुँच जाते है तो पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर प्रवचन करते ,यहाँ प्रस्तुत हैं उनके उनके द्वारा साक्षात देखा गाया, भगवान-राम का दिव्य जीवन)

भाग 8

गतांक से आगे .....

महर्षि वशिष्ठ मुनि महाराज ने एक वाक्य और कहा कि-वही आत्मा जब विष्णु पद को प्राप्त करना चाहता है। तो योगाभ्यास करता है। यह कुम्भक में जब अपनी वृतियों को जागरूक बनाना चाहता है,तो यह प्राण को मूलाधार से ब्रह्मरन्ध्र में ले जाता है। नाभि चक्र में जब यह विद्यमान होता हैं तो नाभि का ऐसा स्वरूप बन जाता है,जैसा कमल ब्रह्मास कमलं वृहे वृतं देवां वेद की आख्यिका यह कहती हैं कि जैसे कमल का पुष्प होता है,उसी की भांति उसका स्वरूप बनता हैं मन,प्राण और आत्मा जब इसके ऊपर व्रत्यों में परिणित होते है। तो वहां एक गति उत्पन्न होती है। तो यह कहते हैं कि उस कमल में ब्रह्म या वेद की जो धाराएं है,उनका जन्म हो जाता हैं, उनका जन्म हो करके वह विष्णु बन करके,ब्रह्म बन करके,वही आत्मा अपने में ब्रह्म पद को प्राप्त करके,वेदों के मर्म को और योग के कर्म को जानने लगता है।

यह वाक्य जब उन्होंने वर्णन किया,तो भगवान राम ने उपस्थित होकर कहा कि- हे प्रभु ! क्या नाभि केन्द्र में कमल-डंड उत्पन्न हो जाता है ? वशिष्ठ मुनि ने कहा- हां, ऐसा वेद की कुछ आख्यिका स्वीकार करती है। राम बोले कि-प्रभु ! नाभि में कमल का होना किस लिए अनिवार्य है ?

उन्होंने कहा कि यह नाभि हमारे इस शरीर का मध्य भाग कहलाता है, कमल डंडी के मध्य में ही नाना पंखुड़िया अपनी अपनी स्थलियों पर ऐसे वृत्तित हो जाती है जैसे नाभि में प्राण का स्थिर रहना और मन की पुट लगाना,यह दोनों एक ही तुल्य कहलाती हैं। यहीं पराकाष्ठा वाला अनुशासन है,जिनको करने से

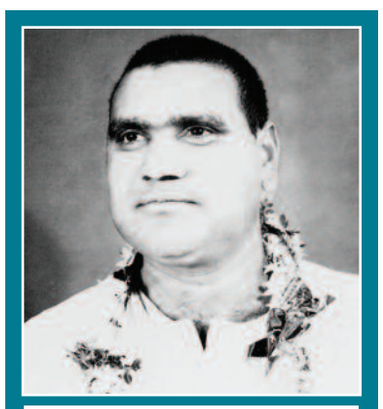

ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी

मानव आत्मपद प्राप्त होता है,आत्मा को साक्षात्कार कर लेता है और अपने में अपनी ही प्रतिभा का दर्शन कर लेता है।

विष्णु राष्ट्र

राम बोले कि-हे भगवन ! दूसरा विष्णु का वाची जो राष्ट्र है,मुझे इसका कुछ वर्णन कराईये। महर्षि वशिष्ठ ने कहा कि राजा जब अपने राष्ट्र में स्थिर होता है,तो नाना ऋषि मुनि,ब्राह्मण-जन, ब्रह्मवेत्ता उसको राजा की चुनौती प्रदान करते है,जिस समय बुद्धिमानों के द्वारा,बुद्धिजीवी योगियों के द्वारा,निष्पक्ष प्राणियों के द्वारा राष्ट्र का निर्माण होता हैं,तो वह राजा महान और पवित्र कहलाता है। वह राजा चार प्रकार के नियम,प्रजा के सुख और आनन्द के लिए निर्माण करता है। चार प्रकार की नियमावली स्वतः राजा रूपी विष्णु के चार भुज कहलाते है। जब राजा दशरथ का निर्वाचन हुआ था तो उसमें महर्षि वशिष्ठ, महर्षि कपिल,महर्षि वैशम्पायन और महाराजा शिव,श्वेती,देवर्षि नारद और महर्षि शृंगी आदि ऋषियों ने राजा का निर्वाचन किया था। वे सप्त होता कहलाते है। यह सात ऋषि जो वास्तव में राजा का निर्माण करते है,वे ब्रह्मवेत्ता होते है और यह जानते है,कि ब्रह्मवेत्ता ही राजा की प्रतिभा को जन्म देते है। वह कहते है कि हे राजा ! तुझे ब्रह्मवेत्ता बनना है,क्योकि ब्रह्मवेत्ता ही राष्ट्र का पालन कर सकता है,राष्ट्र को ऊंचा बना सकता हैं,प्रजा को ज्ञान दे सकता है। और अपने में अपनेपन को प्राप्त होता हुआ,वह ओजस्वी बन करके राष्ट्रीयता में ओज और तेज स्थापना करता है।

महर्षि वशिष्ठ ने कहा-हे राम ! प्रथम वाची विष्णु आत्मा को कहा जाता है और दूसरा वाची विष्णु राजा को कहा जाता है राजा की चार प्रकार की नियमावली होती है। इन नियमावलियों के नाम विष्णु के चार भुज कहलाते है। 'पदम' राजा का सबसे पथम नियम हैं,द्वितीय नियम 'गदाः है,तृतीय 'चक्र' है और चतुर्थ 'शंख' कहा जाता है। यह चार भुजों वाला विष्णु कहलाता है। क्रमशः .....

दिल्ली को विश्वस्तरीय अत्याधुनिक राजधानी बनाने का उचित अवसर

देश का दिल दिल्ली की पहचान दुनिया भर में भारत की राजधानी के रूप में होती है, जो एक केंद्र शासित प्रदेश के रूप में चलती है, जहां पर कुछ शक्तियां राज्य सरकार व कुछ शक्तियां केंद्र की सरकार के पास होती है। केंद्र व राज्य दोनों के बेहतर सामंजस्य से ही दिल्ली का शासन बेहतर ढंग से चल सकता है। देश की राजधानी होने के चलते दिल्ली में ही भारत के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य व अन्य न्यायाधीश, सेनाध्यक्ष, केंद्रीय कैबिनेट, दिल्ली के उप राज्यपाल, मुख्यमंत्री आदि बहुत सारे देश के महत्वपूर्ण पदों पर आसीन लोग रहते हैं, राजधानी होने के चलते दिल्ली में राजकीय व अधिकांश केंद्रीय कार्यालय भी है। रोजी-रोटी, शिक्षा चिकित्सा व देश की सबसे ताकतवर सत्ता का मुख्य केंद्र बिंदु होने के चलते ही देश की आजादी के बाद से ही दिल्ली की जनसंख्या में तेजी से वृद्धि हुई थी। दिल्ली में तेजी से बढ़ती आबादी की समस्याओं के समाधान करने के उद्देश्य के लिए वर्ष 1962 में बने दिल्ली के पहले ही मास्टर प्लान में यह सिफारिश की गई थी कि दिल्ली के साथ-साथ इसके आसपास के राज्यों के शहरों को भी एक उप महानगरीय क्षेत्र के रूप में विकसित किया जाए। जिस परिकल्पना को धरातल पर मूर्त रूप देने के लिए वर्ष 1985 में नेशनल केपिटल रिजन प्लानिंग बोर्ड की शुरूआत की गई थी। जिससे इस पूरे क्षेत्र में व्यवस्थित विकास के लिए कार्य योजना बना करके उसका धरातल पर कार्यान्वयन किया जा सकें और एनसीआर क्षेत्र में शामिल किसी भी क्षेत्र का विकास अव्यवस्थित ढंग से होने से रोका जा सकें।

दिल्ली को बेहतर बनाने के लिए ही वर्ष 1985 में उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान के कुछ जनपदों को मिलाकर के दिल्ली को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र तो घोषित कर दिया गया था, लेकिन चार राज्यों व केंद्र की सरकारों के बीच का मामला होने के चलते उस वक्त की गयी पूरी प्लानिंग आज तक भी धरातल पर पूरी तरह से परवान नहीं चढ़ पाई है। जिसका बड़ा खामियाजा दिल्ली व एनसीआर की जनता लगातार भुगत रही है। सिस्टम को सर्वोच्च न्यायालय की बार-बार फटकार लगने के बावजूद भी दिल्ली व एनसीआर के निवासी स्वच्छ पेयजल व स्वच्छ सांसों तक के लिए तरस गये है। आज खराब पानी व प्रदूषित वायु के चलते दिल्ली

रोजी-रोटी, शिक्षा चिकित्सा व देश की सबसे ताकतवर सत्ता का मुख्य केंद्र बिंदु होने के चलते ही देश की आजादी के बाद से ही दिल्ली की जनसंख्या में तेजी से वृद्धि हुई थी।

एनसीआर क्षेत्र के बड़ी संख्या में पेट, लीवर व फेफड़ों से संबंधित रोगी आसानी से मिल जाते हैं।

हालांकि हम भारतवासियों की यह खूबी है कि हम विपरीत से विपरीत स्थिति में भी उम्मीद की लो जलाकर रखते हैं। जिसके चलते ही आज भी दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा व राजस्थान के एनसीआर क्षेत्र के निवासियों का सपना है कि उनको भी एक दिन दिल्ली की तरह ही उच्च गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा, बेहतरीन चिकित्सा, विश्वस्तरीय अत्याधुनिक सुविधाएं, रोजी-रोटी, व्यापार करने का अवसर मिलेंगे, जिस उद्देश्य को पूरा करने के लिए केंद्र शासित दिल्ली राज्य में कभी एनसीआर के क्षेत्र को जोड़ा गया था, लेकिन अफसोस वह आज तक भी अपने लक्ष्य को पूरा नहीं कर पाया। जिसके चलते ही अब एनसीआर क्षेत्र के एक बहुत बड़े वर्ग का मानना है कि देश का दिल दिल्ली राज्य अपनी सीमाओं का विस्तार करते हुए भारत को विश्वगुरु बनाने के लिए कार्य करें। लेकिन देश में आये दिन क्षणिक स्वार्थों से पूर्ण राजनीति होने के चलते कभी भी देशहित की इस दूरगामी रणनीति पर किसी भी राजनीतिक दल ने कोई विशेष रणनीति बनाकर कार्य नहीं किया है।

लेकिन जब से दिल्ली में भाजपा की सरकार बनी है, तब से बहुत सारे लोगों के मन में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की जगह अब बृहद दिल्ली राज्य के निर्माण विचार आने लगा है। क्योंकि फिलहाल केंद्र सरकार के साथ-साथ दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा व राजस्थान में एक ही दल भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार है और सबसे बड़ी बात यह है कि उस राजनीतिक दल के सर्वेसर्वा नरेन्द्र मोदी के पास राजनीति से ऊपर उठकर के देश के नव निर्माण करते हुए, भारत को विश्वगुरु बनाने का जज्बा मौजूद है। लोगों को लगता है कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बृहद दिल्ली या राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) अंतरराज्यीय क्षेत्रीय योजना और अत्याधुनिक विकास का एक अद्वितीय उदाहरण बन सकता है। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान के कुछ जनपदों को मिलाकर बनने वाले लगभग 55,083 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल का विश्वस्तरीय विकास हो सकता है।

यहां आपको बता दें कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान के कई महत्वपूर्ण शहर भी शामिल हैं। एनसीआर के क्षेत्र का आज भी दिल्ली से कई सौ किलोमीटर तक विस्तार है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र,1985 के नियोजन बोर्ड के कानून के अनुसार, इस अधिसूचित क्षेत्र में दिल्ली का 1,483 वर्ग किलोमीटर का क्षेत्रफल आता है। वहीं उत्तर प्रदेश के मेरठ, गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर, बुलन्दशहर, हापुड, बागपत, शामली और मुजफ्फरनगर जनपद का 14,826 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल आता है। वहीं हरियाणा के फरीदाबाद, गुरुग्राम, नूँह, रोहतक, सोनीपत, रिवाडी, झज्जर, पानीपत, पलवल, भिवानी, चरखी दादरी, महेन्द्रगढ, जींद और करनाल का 25,327 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल आता है। राजस्थान के अलवर और भरतपुर का 13,447 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल आता है। जिस क्षेत्र को कुछ कम करते हुए भी बृहद दिल्ली राज्य का निर्माण अब इन राज्यों की सहमति से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व आसानी से किया जा सकता है।

वैसे भी देखा जाये तो उस वक्त देश के नीति-निमार्ताओं का एनसीआर क्षेत्र बनाने के पीछे मकसद था कि दिल्ली के स्थाई निवासियों के साथ-साथ दिल्ली में आजीविका की तलाश में आ रहे देश के अन्य राज्यों के लोगों को रोजी-रोटी, घर, पानी, बिजली, शिक्षा, चिकित्सा, बेहतर कनेक्टिविटी के साथ सार्वजनिक परिवहन जैसी बुनियादों सुविधाओं की कमी का सामना ना करना पड़े। जिसके चलते ही एनसीआर में शामिल होने वाले अन्य राज्यों के कुछ जिलों का विकास राज्य के अन्य जिलों के मुकाबले बहुत तेजी से हुआ। यहां पर लोगों को रोजी-रोटी, घर, बिजली, पानी के साथ-साथ बेहतर प्राथमिक व उच्च शिक्षा, चिकित्सा सुविधा, आधुनिक बस, मेट्रो व रेपिड रेल जैसी विश्वस्तरीय कनेक्टिविटी की सुविधाएं मिलने से लोगो के रहन-सहन व जीवन स्तर में काफी सुधार हुआ है। लेकिन एनसीआर के गठन के समय के बहुत सारे उद्देश्य अब भी बाकी है, समय-समय पर राज्यों की आपसी खींचतान के चलते इस पूरे क्षेत्र में काम करने की बहुत गुंजाइश बाकी है।

वैसे भी यह पूरा क्षेत्र ऐसा है कि अगर इस क्षेत्र में विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण हो, कानून व्यवस्था बेहतर हो, कल-कारखाने लगें हो, क्षेत्र में प्रदूषण नियंत्रित हो, नदियां स्वच्छ हो, भूजल रिचार्ज करने का कार्य हो, हरित पट्टी व वन्य क्षेत्र विकसित हो, भूकंप रोधी अत्याधुनिक भवनों व इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण हो, विश्वस्तरीय सार्वजनिक परिवहन तंत्र जाल बिछा हुआ हो, शिक्षा, चिकित्सा, रोजी-रोटी की भरमार हो, पूरा क्षेत्र सामरिक दृष्टिकोण से हर वक्त तैयार हो, आर्थिक दृष्टिकोण से मजबूत हो, तो उसका जबरदस्त सकारात्मक प्रभाव पूरे देश की जीडीपी पर पड़ेगा, देश सामरिक रूप से मजबूत होगा। इसलिए बृहद दिल्ली का निर्माण या एनसीआर के पूरे क्षेत्र का नव निर्माण करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पास यह शानदार अवसर है।

RNI No. 62592/95 स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक चंद्रशेखर शास्त्री ने भारती प्रिंटर्स, निकट पुरानी स्टील चुंगी, लोअर बाजार, मोदीनगर-201204, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित किया।
सम्पादकः चन्द्रशेखर शास्त्री, मोबाइलः 7351200046/9411246969, email: u.p.observer@gmail.com

महाकुंभ ने रचा इतिहास: योगी सरकार का अतुल्य प्रयास

उत्तर प्रदेश के प्रयाग में आयोजित महाकुंभ सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। चूंकि उत्तर प्रदेश धार्मिक दृष्टि से अत्यंत समृद्ध राज्य है, इसलिए प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ धार्मिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। इसके अंतर्गत योगी सरकार ने महाकुंभ के भव्य आयोजन के लिए 6,990 करोड़ रुपये आवंटित किए थे। उन्होंने महाकुंभ के सफल आयोजन के लिए संबंधित अधिकारियों को विशेष निर्देश दिए थे।

उल्लेखनीय है कि प्रयागराज में 13 जनवरी को पौष पूर्णिमा स्नान के साथ कुंभ मेले का शुभारंभ हुआ था तथा 26 फरवरी को महाशिवरात्रि के अंतिम स्नान के साथ इसका समापन हो गया। इस समयावधि में 50 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने स्नान किया। शाही स्नान 14 जनवरी को मकर संक्रांति पर, 29 जनवरी को मौनी अमावस्या पर, 3 फरवरी को बसंत पंचमी पर, 12 फरवरी को माघी पूर्णिमा पर तथा 26 फरवरी को महाशिवरात्रि पर हुआ। इन विशेष दिनों में श्रद्धालुओं की अत्यधिक भीड़ अधिक देखी गई।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यानाथ सहित देश के लगभग सभी राजनेता, अभिनेता, खिलाड़ी, व्यवसायी आदि संगम में स्नान कर चुके हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संगम में डुबकी लगाई। इसके पश्चात उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि महाकुंभ में आज पवित्र संगम में डुबकी लगाकर मैं भी करोड़ों लोगों की तरह धन्य हुआ। मां गंगा सभी को असीम शांति, बुद्धि, सौहार्द और अच्छा स्वास्थ्य दें।

गृहमंत्री अमित शाह ने संगम में स्नान करने के पश्चात कहा कि कुंभ हमें शांति और सौहार्द का संदेश देता है। कुंभ आपसे यह नहीं पूछता है कि आप धर्म, जाति या संप्रदाय से हैं। यह सभी लोगों को गले लगाता है। इससे पूर्व उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा था कि महाकुंभ' सनातन संस्कृति की अविरल धारा का अद्वितीय प्रतीक है। कुंभ समरसता पर आधारित हमारे सनातन जीवन-दर्शन को दशार्ता है। आज धर्म नगरी प्रयागराज में एकता और अखंडता के इस महापर्व में संगम स्नान करने और संतजनों का आशीर्वाद लेने के लिए उत्सुक हूं। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने भी संगम में दुबकी लगाई। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा-

गंगे च यमुने चैव गोदावरी सरस्वती।
नर्मदे सिन्धु कावेरि जलेऽस्मिन्-सन्निधिं कुरु।।

आज तीर्थराज प्रयागराज में, भारत की शाश्वत आध्यात्मिक विरासत और लोक आस्था के प्रतीक महाकुंभ में स्नान-ध्यान करके स्वयं को कृतार्थ अनुभव कर रहा हूं।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विगत दिसंबर में महाकुंभ के दृष्टिगत प्रयागराज में लगभग 5500 करोड़ रुपये की विभिन्नम विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया था। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह विश्व के सबसे बड़े समागमों में से एक है, जहां 45 दिनों तक चलने वाले महायज्ञ के लिए प्रतिदिन लाखों श्रद्धालुओं का स्वागत किया जाता है और इस अवसर के लिए एक नया नगर बसाया जाता है। प्रयागराज की धरती पर एक नया इतिहास लिखा जा रहा है। प्रधानमंत्री ने इस बात पर बल दिया कि महाकुंभ, देश की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पहचान को नए शिखर पर ले जाएगा। उन्होंने कहा कि एकता के ऐसे महायज्ञ की चर्चा संपूर्ण विश्व में होगी।

भारत को पवित्र स्थलों और तीर्थों की भूमि बताते हुए उन्होंने कहा कि यह गंगा, यमुना, सरस्वती, कावेरी, नर्मदा और कई अन्य असंख्य नदियों की भूमि है। प्रयाग को इन नदियों के संगम, संग्रह, समागम, संयोजन, प्रभाव और शक्ति के रूप में वर्णित करते हुए तथा कई तीर्थ स्थलों के महत्व और उनकी महानता के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि प्रयाग केवल तीन नदियों का संगम नहीं है, अपितु उससे भी कहीं अधिक है। यह एक पवित्र समय होता है जब सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है, तब सभी दिव्य शक्तियां, अमृत, ऋषि और संत प्रयाग में उतरते हैं।

डॉ. सौरभ मालवीय

प्रयाग एक ऐसा स्थान है जिसके बिना पुराण अधूरे रह जाएंगे। प्रयाग एक ऐसा स्थान है जिसकी स्तुति वेदों की ऋचाओं में की गई है। प्रयाग एक ऐसा स्थान है, जहां हर कदम पर पवित्र स्थान और पुण्य क्षेत्र हैं। प्रयागराज के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने एक संस्कृत श्लोक पढ़ा और इसे समझाते हुए कहा कि त्रिवेणी का प्रभाव, वेणीमाधव की महिमा, सोमेश्वर का आशीर्वाद, ऋषि भारद्वाज की तपस्थली, भगवान नागराज वसु जी की विशेष भूमि, अक्षयवट की अमरता और ईश्वर की कृपा यही हमारे तीर्थराज प्रयाग को बनाती है। प्रयागराज एक ऐसी जगह है, जहां धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष चारों तत्व उपलब्ध हैं। प्रयागराज केवल एक भूमि का टुकड़ा नहीं है, यह आध्यात्मिकता का अनुभव करने की जगह है।

उन्होंने कहा कि महाकुंभ हमारी आस्था, आध्यात्म और संस्कृति के दिव्य पर्व की विरासत की जीवंत पहचान है। हर बार महाकुंभ धर्म, ज्ञान, भक्ति और कला के दिव्य समागम का प्रतीक होता है। संगम में डुबकी लगाना करोड़ों तीर्थ स्थ लों की यात्रा के बराबर है। पवित्र डुबकी लगाने वाला व्यक्ति अपने सभी पापों से मुक्त हो जाता है। आस्था का यह शाश्वत प्रवाह विभिन्न सम्राटों और राज्यों के शासनकाल, यहां तक कि अंग्रेजों के निरंकुश शासन के दौरान भी कभी नहीं रुका और इसके पीछे प्रमुख कारण यह है कि कुंभ किसी बाहरी ताकतों द्वारा संचालित नहीं होता है।

कुंभ मनुष्य की अंतरात्मा की चेतना का प्रतिनिधित्व करता है, वह चेतना जो भीतर से आती है और भारत के हर कोने से लोगों को संगम के तट पर खींचती है। गांवों, कस्बों, शहरों से लोग प्रयागराज की ओर निकलते हैं और सामूहिकता और जनसमूह की ऐसी शक्ति शायद ही कहीं और देखने को मिलती है। एक बार महाकुंभ में आने के बाद हर कोई एक हो जाता है, चाहे वह संत हो, मुनि हो, ज्ञानी हो या आम आदमी हो और जाति-पंथ का भेद भी खत्म हो जाता है। करोड़ों लोग एक लक्ष्य और एक विचार से जुड़ते हैं। महाकुंभ के दौरान विभिन्न राज्यों से अलग-अलग भाषा, जाति, विश्वास वाले करोड़ों लोग संगम पर एकत्र होकर एकजुटता का प्रदर्शन करते हैं। यही उनकी मान्यता है कि महाकुंभ एकता का महायज्ञ है, जहां हर तरह के भेदभाव का त्याग किया जाता है और यहां संगम में डुबकी लगाने वाला हर भारतीय एक भारत, श्रेष्ठ भारत की सुंदर तस्वीर पेश करता है।

उन्होंने भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपरा में कुंभ के महत्व पर बल दिया और बताया कि कैसे यह हमेशा से संतों के बीच महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मुद्दों और चुनौतियों पर गहन विचार-विमर्श का मंच रहा है। उन्होंने कहा कि जब अतीत में आधुनिक संचार के माध्यम मौजूद नहीं थे, तब कुंभ महत्वपूर्ण सामाजिक परिवर्तनों का आधार बन गया, जहां संत और विद्वान राष्ट्र के कल्याण पर चर्चा करने के लिए एकत्र हुए और वर्तमान और भविष्य की चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया, जिससे देश की विचार प्रक्रिया को नई दिशा और ऊर्जा मिली। आज भी कुंभ एक ऐसे मंच के रूप में अपना महत्व बनाए हुए है, जहां इस तरह की चचाएं जारी रहती हैं, जो पूरे देश में सकारात्मक संदेश भेजती हैं और राष्ट्रीय कल्याण पर सामूहिक विचारों को प्रेरित करती हैं। भले ही ऐसे समारोहों के नाम, उपलब्धि और मार्ग अलग-अलग हों, लेकिन उद्देश्य और यात्रा एक ही है। कुंभ राष्ट्रीय विमर्श का प्रतीक और भविष्य की प्रगति का एक प्रकाश स्तंभ बना हुआ है।

उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य दोनों स्तरों पर मौजूदा सरकार के तहत भारत की परंपराओं और आस्था के प्रति गहरा सम्मान है। केंद्र और राज्य दोनों की सरकारें कुंभ में आने वाले तीर्थयात्रियों के लिए सुविधाएं प्रदान करना अपनी जिम्मेदारी मानती हैं। सरकार का लक्ष्यक विकास के साथ-साथ भारत की विरासत को समृद्ध करना भी है।

कुंभ सहायक

केंद्र एवं राज्य सरकारों ने महाकुंभ में भाग लेने वाले श्रद्धालुओं की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा। कुंभ के लिए पहली बार एआई और चैटबॉट तकनीक के उपयोग को चिह्नित करते हुए 'कुंभ सहायक' चैटबॉट का शुभारंभ किया गया, जो ग्यारह भारतीय भाषाओं में संवाद करने में सक्षम है। इससे लोगों को बहुत लाभ हुआ।

कुंभवाणी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गत 10 जनवरी को प्रयागराज स्थित सर्किट हाउस से महाकुंभ 2025 को समर्पित आकाशवाणी के विशेष एफएम चैनल 'कुंभवाणी एवं 'कुंभ मंगल ध्वनि का लोकार्पण किया। उन्होंने कुंभ मंगल ध्वनि का भी लोकार्पण किया। उन्होंने कहा था कि कुम्भवाणी द्वारा प्रसारित आंखों देखा हाल उन लोगों के लिए विशेष रूप से लाभदायक होगा, जो कुंभ में भाग लेने के लिए प्रयागराज नहीं आ सकेंगे। यह इस ऐतिहासिक महाकुंभ के माहौल को देश व दुनिया तक पहुंचाने में सहायक होगा। देश के लोक सेवा प्रसारक प्रसार भारती की ये पहल न केवल भारत में आस्था की ऐतिहासिक परंपरा को बढ़ावा देगी, अपितु श्रद्धालुओं को महत्वपूर्ण जानकारी देगी व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का घर बैठे अनुभव करवाएगी।

उल्लेखनीय है कि योगी सरकर ने महाकुंभ से पूर्व प्रयागराज के ऐतिहासिक मंदिरों का जीर्णोद्धार करवाया। इसके साथ-साथ मंदिरों का नवीनीकरण भी किया गया। इसके अतिरिक्त राज्य में हरित क्षेत्र के विस्तार को बढ़ावा दिया गया। विशेषकर प्रयागराज जिले में सड़कों के किनारे पौधे लगाए गए। यह भी उल्लेखनीय है कि स्वच्छता पर भी विशेष ध्यान दिया गया। क्षेत्रों को पॉलीथिन से मुक्त रखने का भी प्रयास किया गया।

इसके अंतर्गत महाकुंभ में सिंगल यूज्ड प्लास्टिक पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगा दिया गया था। मेले में प्राकृतिक उत्पाद जैसे दोना, पत्तल, कुल्हड़ एवं जूट व कपड़े के थैलों के प्रयोग को बढ़ावा दिया गया। योगी सरकार ने श्रद्धालुओं की प्रत्येक सुविधा का ध्यान रखा। इसके अंतर्गत यातावात की भी समुचित व्यवस्था की गई। प्रयागराज आने वाली बसों, रेलगाड़ियों एवं वायुयान की संख्या में वृद्धि की गई। महाकुंभ के लिए रेलवे द्वारा लगभग 1200 रेलगाड़ियां तथा परिवहन विभाग द्वारा सात हजार बसों का संचालन किया गया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वयं हवाई जहाज से मेला स्थल का निरीक्षण किया। इसलिए यह कहना उचित है कि महाकुंभ के सफल आयोजन के लिए योगी सरकार बधाई की पात्र है।

लेखक – लखनऊ विश्वविद्यालय में एसोसिएट प्रोफेसर है।

दीक्षा

दीनदयालमणि त्रिपाठी

'विष्णु-यामल' में लिखा है कि 'देवी बोधन तिथि' से 'महानवमी' तक की किसी भी तिथि में 'दीक्षा' लेना अभीष्ट फल - दायी होता है ।

'मुण्ड – माला तन्त्र' में लिखा है कि महाविद्याओं का मन्त्र ग्रहण करने में कालादि और अरि- मित्रादि दोषों का विचार न करे ।

'समया– तन्त्र' में लिखा है कि गुरु-देव शिष्य को बुलाकर कृपापूर्वक स्वेच्छा से जब भी मन्त्र प्रदान करें, तब लग्नादि के विचार करने की आवश्यकता नहीं रहती । ऐसे समय में वार, ग्रह, नक्षत्र और राशि आदि सभी शुभावह हो जाते हैं ।

दीक्षा–स्थान –

गो-शाला, गुरु- गृह, देव - मन्दिर, कानन, पुण्य क्षेत्र, उद्यान, नदी-तट, आमला व बिल्व वृक्ष के समीप, पर्वताग्र, गह्वर और गङ्गा- तीर - इन स्थानों में 'दीक्षा' कोटि गुना फल देती है । निषिद्ध–स्थान ये हैं - गया, भास्कर क्षेत्र (कोणार्क देश), विरजा तीर्थ, चन्द्रशेखर पर्वत, चट्टग्राम, मातङ्ग देश और कन्या - गृह (काम रूप) ।

माला – निर्णय –

' सनत्कुमार संहिता' में लिखा है कि अनामा के मध्य-पर्व से लेकर कनिष्ठादि होते हुए तर्जनी के मूल तक दस पर्वों में जप करे ।

'मुण्ड – माला – तन्त्र' में इसे ही 'कर-माला' बताया है। यदि अष्टोत्तर-शत जप करना हो, तो उक्त क्रम से शत संख्या पूर्ण होने पर अनामा के मूल से प्रारम्भ कर कनिष्ठादि क्रम से तर्जनी के मध्य पर्व तक आठ पर्वों में आठ वार जप करे । मध्यमा के शेष दो पर्वों को मेरु - रूप माने । 'शक्ति' - मन्त्र के जप में अनामा के मध्य और मूल पर्व, कनिष्ठा के तीन पर्व, अनामा का अग्र पर्व, मध्यमा के तीन पर्व तथा तर्जनी का मूल पर्व- इन दश पर्वों का उपयोग करे क्योंकि 'श्रीक्रम' के वचनानुसार तर्जनी के अग्र और मध्य-पर्व में 'शक्ति मन्त्र' का जप करने से पाप होता है । तर्जनी के इन दोनों पर्वों को इस दशा में 'मेरु' माने । 'हंस - पारमेश्वर तन्त्र' के अनुसार इसी को 'शक्तिमाला' कहते हैं । अष्टोत्तर शत जप करते समय उक्त क्रम से शत संख्या पूर्ण होने पर अनामिका के मूल पर्व से आरम्भ कर कनिष्ठादि क्रम से मध्यमा के मूल पर्व तक आठ बार जप करे ।

श्रीविद्या के मन्त्र जप में, अनामा - मध्यमा के मूल और अग्र इन दोदो पर्वों, कनिष्ठा के तीन और तर्जनी के तीन - कुल दश पर्वों पर जप करे । अनामा और मध्यमा के शेष दो पर्वों को 'मेरु' माने । अष्टोत्तर-शत जप करने के लिए, उक्त क्रम से शत संख्या पूरी करने के बाद, कनिष्ठा के मूल से आरम्भ कर, तर्जनी के मूल तक प्रदक्षिणा -क्रम' से आठ पर्वों पर आठ बार जप करे ।

'जप- काल' में अँगुलियों को अलग न रखे और हथेली को कुछ सिकोड़ कर जप करे । अँगुलियों को अलग कर छिद्र रखते हुए जप करने से ह्यजप-फल' की हानि होती है । इसी प्रकार अँगुली के अग्रभाग या 'मेरु' का लङ्घन करते हुए और पर्व - सन्धियों में जो जप किया जाता है, वह निष्फल होता है ।

'विश्वसार तन्त्र' में लिखा है कि गणना विधि का उल्लङ्घन कर जप करने से ह्यजप-फल' राक्षस ले लेते हैं । अतः जप - संख्या की गणना करते हुए जप करे । हृदय देश पर हाथ रख, अँगुलियों को कुछ सिकोड़ कर और दोनों हाथों को वस्त्र से ढँक कर, दाहने हाथ में 'जप' करना चाहिए।

जप–संख्या–धारण–विधि –

अक्षत, अँगुलियों के पर्व, धान्य, पुष्प, चन्दन और मिट्टी से 'जप - संख्या' धारण न करे । इसके लिए लाक्षा, रक्तचन्दन, सिन्दूर और शुष्क गो-मय को एकत्र कर इनके चूर्ण की गोलियाँ बना लें । इन्हीं गोलियों से जप संख्या की धारणा रक्खे। किसी-किसी के मत में ये गोलियाँ 'पुरश्चरण' के जप में प्रयुक्त होती हैं; 'माला - जप' में उसी माला से ही 'जप - संख्या' धारण करनी चाहिए ।

वर्ण–माला–

'सनत्कुमारीय तन्त्र' में लिखा है कि 'अ' से 'क्ष' तक के वर्णों का नाम 'वर्ण - माला' है । इन इक्यावन वर्णों में से 'अ' से 'ल' तक पञ्चाशद्-वर्ण-माला है और 'क्ष' इस माला का मेरु है । इन सभी वर्णों में अनुस्वार लगाकर अनुलोम-विलोम - क्रम से ('अ' से 'ल' तक; 'ल' से 'अ' तक) जप करे। यही माला अन्तर्यजन में प्रशस्त है । वर्ण- माला आठ वर्गों में विभक्त है यथा - १ अ वर्ग (अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ॠ, लृ, ॡ, ए, ऐ, ओ, औ, अं, अः),

२ क- वर्ग ,
३ च वर्ग ,
४ ट-वर्ग,
५ त वर्ग,
६ प-वर्ग,
७य वर्ग (य, र,, व, श),
८ ष-वर्ग (ष, स, ह, ळ, क्ष) ।

इस माला में जप करने का क्रम यह है कि अकारादि वर्ग के प्रत्येक वर्ण में अनुस्वार लगाकर, एक-एक वर्ण के बाद, इष्ट-मन्त्र का एक-एक बार उच्चारण करते. हुए जप करे । इसी प्रकार १०८ बार बार जप करना चाहिए । 'अन्तर्यजन' में ही नहीं, 'बाह्य-पूजा' में भी 'वर्ण-माला' से जप करना श्रेष्ठ है। पहले 'अं' का उच्चारण कर 'मूल मन्त्र' का एक बार उच्चारण करे। इसी प्रकार 'ळ' तक एक-एक वर्ण का अनुस्वारसहित उच्चारण करते हुए प्रत्येक वर्ण के बाद 'मूल मन्त्र' का एकएक बार जप करे। यही 'वर्ण माला जप' है ।

मालिनी- विजय तन्त्र' में इस वर्ग-मयी माला के सूत्र के सम्बन्ध में बताया है कि प्रवाल के समान प्रभावती सूत्र - रूपा निद्रिता सपार्कारा कुल - कुण्डलिनी शक्ति ही 'वर्ग - माला' का सूत्र है; उसके आरोहण-अवरोहण से शत संख्या और अष्ट वर्गों के आदि वर्णों से अष्ट - संख्या होती है । 'वैशम्पायन संहिता' में लिखा है कि रुद्र रूपी महादेव ने प्रलयाग्नि से पृथ्वी का उद्धार करते समय, 'पृथ्वी' - वीज ल-कार का भी उद्धार किया था। अतएव 'प्रलय' - काल में प्रलयाग्नि से उद्धृत उक्त 'ल-कार' को लेकर, 'वर्ण - माला' में दो 'ल' वर्ण विद्यमान हैं। इसी से 'वर्ण - माला' में 'ह - कार' के वाद, 'ल' का एक बार फिर से उच्चारण होता है ।

माला मणि –

' बाह्य पूजा में पद्म वीजादि की मालाएँ प्रशस्त मानी गई हैं । रुद्राक्ष, शङ्ख, पद्म-वीज, जीव-पुनि का मुक्ता, स्फटिक, मणि, रत्न, सुवर्ण, प्रवाल, रौप्य और कुश - मूल- इनमें से किसी एक की माला से गृहस्थ को जप करना चाहिए ।

विविध माला – जप फल –

अँगुलियों में गणना करते हुए जप करने से एक गुना फल, अँगुली-पर्व में आठ-गुना, जीव-पुत्रिका माला में दस गुना, शङ्ख - माला में सौ गुना, प्रवाल-माला में सहस्त्र गुना, मणि, रत्न स्फटिक माला में दस सहस्त्र गुना, मुक्ता-माला में लाख गुना, पद्ममाला में दस लाख गुना, वर्ण-माला में करोड़ गुना, कुश - मूल माला में सौ करोड़ और रुद्राक्ष माला में जप करने से अनन्त फल होता है । ये सभी मालाएँ मुक्ति-दायिनी हैं ।

और स्फटिक क्योंकि एकभगवती जपविभिन्न काम- 'कालिका पुराण' में लिखा है कि रुद्राक्ष, इन्द्राक्ष का जीव पुत्रिकादि किसी दूसरी माला से योग न करे जातीय माला में अन्य जातीय माला का योग होने से कर्ता के काम्य या मोक्ष - फल को प्रदान नहीं करती। नाओं के लिए, विभिन्न प्रकार की मालाएँ निर्दिष्ट हैं; नाश' के लिए पद्म-वीज माला, 'पाप नाशार्थ' - कुश - मूल-माला, 'पुत्र - हेतु' - जीव- पुत्रिका - माला, 'अभीष्ट' के लिए मणि - रौप्य - माला और 'विपुल धन' के लिए - प्रवाल-मालो - यथा - 'शत्रु-

'मुण्ड - माला' तन्त्र में लिखा है कि 'धूमावती' के सम्बन्ध में श्मशान - धत्तूर की लकड़ी से बनी माला प्रशस्त है । 'नील - सारस्वत' (तारा) मन्त्र में 'महा - शङ्ख-मयी' - माला प्रशस्त बताई है । 'महा'शङ्ख' के सम्बन्ध में 'मुण्ड - माला' तन्त्र में लिखा है कि मनुष्य की ललाटास्थि से बनी माला 'महा-शङ्ख-मयी' कहलाती है । कर्ण और नेत्र के बीच की अस्थि का नाम 'महा - शङ्ख' है । 'तारा' - मन्त्र के जप में यह माला शुभ- दायिनी है ।

'वाराही तन्त्र' में 'भैरवी' विद्या के विषय में सुवर्ण, मणि, स्फटिक, शङ्ख और प्रवाल-माला विहित बताई हैं तथा जीव-पुत्रिका माला को त्याज्य बताया है । पद्म-वीज और रुद्राक्ष माला को विशेषतः प्रशस्त कहा है । 'त्रिपुर सुन्दरी' के मन्त्र - जप में रक्त-चन्दनवीज की माला अति श्रेष्ठ है । ये मालाएँ भोग और मोक्षदायिनी हैं । 'विष्णु' - मन्त्र में तुलसी - माला, 'गणेश' - मन्त्र में गज-दन्तमाला और 'त्रिपुरा' - मन्त्र में रुद्राक्ष व रक्त चन्दन - माला विहित हैं ।

'मणि' - विषय में 'मुण्ड - माला तन्त्र' में लिखा है कि माला की मणियाँ, चाहे किसी भी वस्तु की हों, सम रूप होनी चाहिए । वे छोटी-बड़ी न हों, न बहुत बड़ी हों, न बहुत छोटी, कीड़ों से खाई या पुरानी न हों, उन्हें नवीन होना चाहिए।

'गौतमीय तन्त्र' में लिखा है कि 'वर्ण - माला' से सभी प्रकार के 'मन्त्र' - जप में सफलता मिलती है ।

'चामुण्डा तन्त्र' में लिखा है कि नित्य जप कर - माला' में करना चाहिए । विशेष विधि न दी हो, तो 'काम्य' - जप भी 'कर-माला' में करे । माला के अभाव में सभी 'काम्य' - जप 'कर - माला' ही में किए जाते हैं । मोक्षार्थ- पञ्चशत, धन सिद्ध घर्थ - त्रि-शत, सर्व-कामसाधन में - सप्तविंशति, मारणादि अभिचार कार्यों में - पञ्च- दश, काम्य-सिद्धि में - चतुः - पञ्चाशत और सर्व-कार्य-सिद्धि में - अष्टोत्तरशत मणियों की माला बनानी चाहिए ।

आसन – प्रकार –

'हंस - माहेश्वर' में लिखा है कि कोमल पद्मासन, कुशासन, दारु-आसन और चर्मासन शुद्ध तथा कार्य सिद्धि दायक हैं। लोम-युक्त चर्मासन पर साधनादि करने से सारा कार्य नष्ट हो जाता है । काम्य-कर्म में कम्बलासन और विशेष कर रक्त - कम्बलासन श्रेष्ठ है । ज्ञान - सिद्धि में कृष्णाजिन, मोक्ष व श्री - कामना में व्याघ्र चर्मासन और मन्त्र - सिद्धि में कुशासन प्रशस्त

है । मृत्तिकासन दुःख, काष्ठासन दौर्भाग्य, वंशासन दारिद्य, पाषाणासन रोग- पीड़ा, तृणासन यशो-हानि, पत्रासन चित्त-वैकल्य करता है और वस्त्रासन से जप, ध्यान तथा तप की हानि होती है । कुशासन के ऊपर वस्त्र बिछाकर साधन करने से रोग निवारण होता है ।

'योगिनी तन्त्र' में लिखा है कि कृष्णाजिन पर अदीक्षित गृहस्थ को नहीं बैठना चाहिए; इस पर केवल ब्रह्मचारी, वन-वासी और भिक्षुक को ही बैठना चाहिए ।

'आगम - कल्पद्रुम' के अनुसार मेष, व्याघ्र, गज, उष्ट्र और साँप के चर्मासन षट्-कर्म में विहित हैं।

माला संस्कार –

'यामल' में लिखा है कि असंस्कृत माला में जप निष्फल होता है और देवता रुष्ट होता है।

'सनत्कुमार तन्त्र' में लिखा है कि कार्पास सूत्र में गुँथी माला से चतुर्वर्ग - सिद्धि होती है । यह सूत्र ब्राह्मण कुमारी द्वारा प्रस्तुत हो, तो और भी फल - प्रद होगा। शान्ति - कार्य में श्वेत वर्ण, वश्यादि - कार्य में लोहित - वर्ण और मारण कार्य में कृष्ण वर्ण के सूत्र से माला गूँथे । कार्पास - सूत्र के स्थान पर पट्ट सूत्र से माला गूंथी जा सकती है । मुक्ति, ऐश्वर्य और जपादि - कार्य में ब्राह्मण श्वेत वर्ण, क्षत्रिय रक्तवर्ण, वैश्य पीत - वर्ण और शूद्र कृष्ण - वर्ण के सूत्र से माला गूँथे । अथवा लोहित-वर्ण के सूत्र से माला का गूँथना सब कार्यों में अभीष्ट फल-दायक है।

सूत्र को त्रिगुण कर उसे पुनः त्रिगुणित करे। तब उससे शास्त्रानुसार माला गूँथे । जैसी मणि हो, उसी के चाहिए । प्रणव और अकारादि एक - एक इत्यादि) का उच्चारण करते हुए माला गूंथे । अनुरूप सूत्र भी होना वर्ण (ॐ अं, ॐ आं बीच बीच में 'ब्रह्मग्रन्थि' देता जाय । 'मेरु' - स्थल को भी ग्रन्थि - बद्ध करना चाहिए । इस प्रकार माला गूंथ कर उसका संस्कार करे ।

'एकवीरा - कल्प' में लिखा है कि मातृका - वर्ण या मूल मन्त्र से माला गूँथे । ध्यान-परायण होकर दोनों सूत्रों को एकत्र कर 'हूं' मन्त्र से उसके दोनों छोरों को बाँधे । अन्त में दोनों सूत्रों को मिलाकर 'ॐ से मेरु को बाँध, तब प्रतिष्ठा करे ।

'गौतमीय तन्त्र' में लिखा है कि मणियों के मुख में मुख और पुच्छ में पुच्छ मिलाते हुए गो - पुच्छ या सपार्कृति कर माला का गुन्थन करे । 'छन्द-सार' में मुख और पुच्छ के सम्बन्ध में लिखा है कि रुद्राक्ष का उन्नत भाग मुख और निम्न भाग पुच्छ, पद्म-वीज का दो विन्दुओं से युक्त सूक्ष्म भाग मुख और एक विन्दुवाला स्थूल भाग पुच्छ है । इस प्रकार रुद्राक्ष और पद्माक्षादि माला में मुख - पुच्छ स्थिर कर उन्हीं में से एक को 'मेरु' बनाए। सार्द्ध-लितय या सार्द्ध द्वितय- वेष्ठन कर मजबूती से गाँठ दे । अपनी इच्छानुसार साधक को उक्त किसी एक विधि से माला गूँथ लेनी चाहिए।

'कालिका पुराण' में लिखा है कि प्रति वीज के बाद माला में 'ब्रह्म-ग्रन्थि' देते हुए माला तैयार करे या ग्रन्थि रहित दृढ़ रज्जु से माला को गूंथ कर उसका शोधन करे ।

अश्वत्थ के नवीन पत्तों को पद्माकार बिछाकर मातृका - मन्त्र और मूल - मन्त्र का उच्चारण करते हुए उसके ऊपर माला रखे । फिर निम्न 'सद्योजात - मन्त्र' से पञ्च - गव्य से माला का प्रक्षालन करे-

ॐ सद्योजातं प्रपद्यामि, सद्योजाताय वै नमः ।
भवे भवेनाति-भवे, भवस्व मां भवोद्भवाय वै नमः ॥

इसके बाद निम्न 'वामदेव - मन्त्र' से माला में चन्दन, अगरु और कर्पूर का लेप करे।

ॐ नमो वामदेवाय नमो ज्येष्ठाय नमो रुद्राय नमः कालाय, नमः कल - विकरणाय नमः बल-विकरणाय नमो बल-प्रमथ - नाथाय, नमः सर्व भूत-दमनाय नमो मनोन्मथनाय । ,

तब निम्न 'अघोर - मन्त्र' से माला को धूपित करे-

ॐ अघोरेभ्योऽथ घोरेभ्यो घोर घोर-तरेभ्यः ।
सर्वतः सर्व- सर्वेभ्यो, नमस्तेऽस्तु रुद्र-रूपेभ्यः ॥ फिर निम्न 'तत्पुरुष - मन्त्र' से पुनः चन्दन द्वारा लेप करे-

ॐ तत्पुरुषाय विद्महे महादेवाय धीमहि तन्नो रुद्रः प्रचोदयात ।

तदनन्तर माला के प्रत्येक वीज पर निम्न पञ्चम - मन्त्र का सौ बार जप करे- '

ॐ ईशानः सर्व विद्यानामीश्वरः, सर्व भूतानां ब्रह्माधिपतिब्रह्मणोऽधिपतिः ब्रह्मा, शिवों मेऽस्तु सदा - शिवोम् ॥

'मुण्ड - माला तन्त्र' में लिखा है कि माला के प्रत्येक वीज पर और 'मेरु' पर पञ्चम मन्त्र का सौ बार जप करे अर्थात प्रत्येक वीज पर एक-एक बार जप करना होगा ।

शक्ति - अब माला में देवता का आवाहन कर प्राण प्रतिष्ठा कर यथापूजा करे ।

' सनत्कुमार तन्त्र' में लिखा है कि माला का संस्कार और प्राणप्रतिष्ठा कर मूल मन्त्र से उस माला की पूजा करे ।

'वाराही तन्त्र' में लिखा है कि माला के ऊपरी भाग में मायावीज 'ह्रीं' लिखकर निम्न मन्त्र से रक्त - पुष्प द्वारा माला की पूजा करे-

ह्रीं माले माले महा-माले ! सर्व तत्व स्वरूपिणि !
चतुर्वर्ग स्त्वयि न्यस्तस्तस्मान् मे सिद्धिदा भव ॥

यह विधि शक्ति विषय के लिए है। विष्णु विषय के लिए 'यामल' में लिखा है कि 'ऐं श्रीं अक्ष- मालायै नमः' से माला की पूजा करे । तदनन्तर अकारादि वर्ग के प्रत्येक वर्ण द्वारा मूल - मम्न को पुटित कर उससे माला को अनुलोम विलोम - क्रम से अभिमन्त्रित करे।

'योगिनी - हृदय' में लिखा है कि पूजा के बाद माला के देवत्व की कामना करते हुए अष्टोत्तर शत होम कर हुत-शेष को माला पर डाल दे । होम करने में यदि असमर्थ हो, तो द्वि गुण जप करना चाहिए। जिस देवता के मन्त्र में माला की प्रतिष्ठा करे, उसे छोड़ अन्य देवता के मन्त्र का उस माला में जप न करे । जप- काल में अपने शरीर या माला का हिलना-डुलना मना है। जापक का शरीर हिलने से सिद्धि-हानि और माला हिलने से बहु-दुःख होता है । जपकाल में माला को इस प्रकार रखे कि न तो उसमें शब्द हो और न वह हाथ से स्खलित ही हो क्योंकि शब्द होने से रोग और स्खलित होने से जप कर्ता का विनाश होता है । जप-समय में माला का सूत्र टूटने से जप कर्ता की मृत्यु होती है । अत. सतर्क रहना चाहिए । जप के पूर्ण होने पर अपने कान पर या किसी ऊँचे स्थान पर माला को रखे । निम्न मन्त्र से माला की पूजा कर उसे यत्न- पूर्वक छिपा कर रखे-

ॐ त्वं माले ! सर्व देवानां, सर्व-सिद्धि प्रदा मता।
तेन सत्येन मे सिद्धि, देहि । मातर्नमोऽस्तु ते ॥

कामना - भेद से अंगुलि नियम

'गौतमीय तन्त्र' में कामना-भेद लिखा है कि शत्रु का उच्चाटन आदि करने में तर्जनी और अंगुष्ठ द्वारा माला-जप करे । अंगुष्ठ और मध्यमा से मन्त्र - सिद्धि, अंगुष्ठ और अनामिका से उच्चाटनादि और अंगुष्ठ तथा कनिष्ठा से जप करने से शत्रु नाश होता है ।

'वैशम्पायन - संहिता' में लिखा है कि अंगुष्ठ और मध्यमा द्वारा भनामा के मध्य पर्व पर जप - माला चलावे । माला का तर्जनी से स्पर्श न होने पाए। इस प्रकार जप करने से मुक्ति लाभ होता है। माला का सूत्र पुराना पड़ने पर फिर उसे गूँथकर मूल मन्त्र का सौ बार जप करे । प्रमाद - वश यदि जप- काल में हाथ से माला गिर पड़े, तो उसे उठाकर पुनः एक सौ आठ बार जप करे। माला का अस्पृश्य वस्तुओं से स्पर्श होने पर उसे पञ्च गव्य से धोकर जप करे । 'कुब्जिका तन्त्र' में लिखा है कि माला टूटने पर उसे फिर गूंथ कर १०८ बार जप करना चाहिए ।

'आगम - कल्पद्रुम' में लिखा है कि भूत-शुद्धयादि पूजा कर माला में गणेश, सूर्य, विष्णु, महा देव और दुर्गा का आवाहन कर उनकी पूजा करे । अन्त में पञ्च-गव्य में माला को डालकर 'ह्सौः' मन्त्र का उच्चारण करते हुए उसे उसमें से निकाल कर स्वर्ण पात्र में रखे और पञ्चामृत - नियम से क्रमशः दूध, दही, घी, मधु और शक्कर तथा शीतल जल द्वारा उसे स्नान कराए। फिर चन्दन, कस्तुरी और कुंकुम आदि का माला पर लेप कर 'ह्सौः' का १०८ बार जप करे । तब माला में नव-ग्रह, दश दिक्पाल और गुरु देव की पूजा कर उस शुभ माला को ग्रहण करे ।

'संघर्ष से सफलता की ओर' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित

छात्र-छात्राओं को विपरीत परिस्थितियों का डटकर मुकाबला करना चाहिए: केजी अल्फांसो

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

नई दिल्ली। भारत सरकार के पूर्व पर्यटन मंत्री (पहली मोदी कैबिनेट) टाइम्स मैगजीन में विश्व की सौ प्रभावशाली लोगों में शुमार विख्यात पूर्व आईएएस एवं 'दा विनिंग फार्मूला' प्रेरक पुस्तक के लेखक श्री 'के जी अल्फांसो' का विश्वविद्यालय में आयोजित 'संघर्ष से सफलता की ओर' विषय पर एकदिवसीय राष्ट्रीय व्याख्यान। -विपरीत परिस्थितियों में सक्सेस के 'फाइव एस' (सेल्फ एटीट्यूड, सेल्फ आइडेंटिटी, सेल्फ कॉन्फिडेंस, सेल्फ यूनीकनेस एवं सेल्फ कमिटमेंट) के दम पर आप सारी दुनिया जीत सकते हैं-श्री के जी अल्फांसो पूर्व आईएएस, पूर्व केंद्रीय पर्यटन मंत्री भारत सरकार एवं प्रसिद्ध पुस्तक 'दा विनिंग फामूर्ला' के लेखक मुख्य अतिथि/ मुख्य वक्ता।

-के जी अल्फांसो जैसा साहसी, दूरदर्शी राजनयिक एवं राजनीतिक व्यक्ति विरले ही होते हैं, जिन्होंने दिल्ली विकास प्राधिकरण का कमिश्नर रहते हुए तमाम पॉलिटिकल दबावों को दरकिनार कर दिल्ली के 14000 से अधिक अवैध निर्माण को ध्वस्त करने का काम किया, इसलिए पूरा देश उन्हें 'मैन ऑफ डिमोलिश' (ध्वस्त करने वाला व्यक्तित्व) के नाम से जानता है - श्री सुधीर गिरी संस्थापक अध्यक्ष वेंकटेश्वरा समूह।

-आज देश के इतने बड़े प्रेरक व्यक्तित्व को सम्मानित करते हुए विश्वविद्यालय स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहा है- डॉ.. राजीव त्यागी, प्रतिकुलाधिपति श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय । -वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय की अनुरोध पर श्री अल्फांसो जल्दी ही विश्वविद्यालय के गवर्नर बोर्ड को सुशोभित करेंगे-प्रो..(डॉ..) कृष्णकांत दवे, कुलपति श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय।

-आज का दिन राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास स्थित श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय / संस्थान के लिए बेहद ही गौरवमयी रहा। प्रथम मोदी कैबिनेट में पर्यटन मंत्री स्वतंत्र प्रभार भारत सरकार एवं पूर्व आई ए एस टाइम मैगजीन में विश्व की सौ प्रभावशाली हस्तियों में जगह बनाने वाले सुप्रसिद्ध प्रेरक पुस्तक 'द विनिंग फामूर्ला' के लेखक श्री के जी अल्फांसो ने विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'संघर्ष से सफलता की ओर' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में बतौर मुख्य अतिथि/ मुख्य वक्ता के रूप में शिरकत करते हुए संस्थान में उपस्थित छात्र-छात्राओं को विपरीत परिस्थितियों का डटकर मुकाबला करते हुए अपने जीवन में सफलता के 'फाइव एस' के दम पर दुनिया जीतने के गुरु सिखाएं। वेंकटेश्वर समूह के संस्थापक अध्यक्ष श्री सुधीर गिरि ने मुख्य अतिथि श्री अल्फांसो का आभार व्यक्ति करते हुए कहा कि आप जैसे महान व्यक्तित्व को आज अपने बीच पाकर पूरा विश्वविद्यालय परिवार स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहा है। संस्थापक अध्यक्ष डॉ. सुधीर गिरि ने उनसे विश्वविद्यालय के गर्वनिंग बोर्ड में नामित होने का आग्रह किया बहुत जल्द ही श्री के जी अल्फांसो वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय के गर्वनिंग बोर्ड को सुशोभित करेंगे।

-श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय / संस्थान के सी.वी. रमन सभागार में 'संघर्ष से सफलता की ओर विषय' पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार का शुभारंभ मुख्य अतिथि मोदी प्रथम कैबिनेट में पर्यटन मंत्री स्वतंत्र प्रभार भारत सरकार श्री के जी अल्फांसो, संस्थापक अध्यक्ष श्री सुधीर गिरी, प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी, कुलपति प्रो. डॉ. कृष्णकांत दबे, आदि ने सरस्वती मां की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्वलित करके किया।

-अपने संबोधन में मुख्य अतिथि / मुख्य वक्ता श्री के जी अल्फांसो ने कहा कि युवा विफलताओं से ना घबराए, बल्कि विपरीत परिस्थितियों में मुस्कुराकर आगे बढ़ते हुए सफलता के यूनिवर्सल 'फाइव एस' जिसमें सेल्फ एटीट्यूड, सेल्फ आइडेंटिटी, सेल्फ कॉन्फिडेंस, सेल्फ यूनीकनेस, और सेल्फ कमिटमेंट के दम पर आप सारी दुनिया जीत सकते हैं। उन्होंने स्वामी विवेकानंद जी के साथ-साथ अपना स्वयं का उदाहरण देते हुए कहा कि कैसे दसवीं कक्षा में मात्र 42% अंकों के साथ पास होने वाला एक बेहद कमजोर बच्चा यूपीएससी की परीक्षा में अपनी दृढ़ निश्चय और 'फाइव एस' के दम पर यूपीएससी का टॉपर बना। अपने दृढ़ निश्चय के दम पर कैसे उन्होंने दिल्ली की 14000 अवैध इमारत को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया। बहुत सारे राजनीतिक दबाव को ना करते हुए अपनी जान की परवाह किए बिना उन्होंने दिल्ली को एक नए राज्य के रूप में दुनिया के सामने स्थापित करने का काम किया।

-'संघर्ष से सफलता की ओर' एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार को संस्थापक अध्यक्ष डॉ.. सुधीर गिरी प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी, कुलपति कृष्णकांत दवे, आदि ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. कृष्णकांत दवे, कुलसचिव प्रो.. पीयूष पांडे, डॉ. राजेश सिंह, डीन मेडिकल डॉ. संजीव भट्ट, डॉ. टीपी सिंह, डॉ. सी.पी. सिंह, डॉ. आशुतोष गौतम, डॉ. नीतू सिंह, डॉ. एना ब्राउन, डॉ. योगेश्वर सिंह, डॉ.

स्नेहलता गोस्वामी, डॉ. श्रीराम गुप्ता एवं मेरठ परिसर से निदेशक डॉ. प्रताप सिंह एवं मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि लोग उपस्थित रहे।

सांसद अतुल गर्ग व विधायक संजीव शर्मा ने किया अस्पताल का निरीक्षण

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। स्थानीय सांसद अतुल गर्ग व शहर विधायक संजीव शर्मा गुरुवार को विजयनगर के डूंडाहेडा स्थित 50 शैय्या संयुक्त चिकित्सालय क्रॉसिंग पहुंचे। वहां जाकर उन्होंने वहा स्वास्थ्य सेवाओं का निरीक्षण किया। इससे पहले वहां पहुंचने पर क्षेत्रीय लोगों ने दोनों प्रतिनिधियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया।

इस दौरान इन दोनों स्थानीय प्रतिनिधियों में वहां स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति को परखा। निरीक्षण के दौरान उन्हें कई खामियां मिलीं, जिन्हें दूसरे करने के लिए उन्होंने वहां के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को एक सप्ताह का समय दिया है। वहां मौजूद चिकित्सकों ने सांसद को अस्पताल में स्टाफ की कमी होने की जानकारी दी। इस पर सांसद अतुल गर्ग ने तत्काल लखनऊ में संबंधित उच्च अधिकारियों से फोन पर वार्ता की और यथाशीघ्र गाजियाबाद के 50 शैय्या संयुक्त चिकित्सालय क्रॉसिंग में अतिरिक्त स्वास्थ्य कर्मी तैनात करते यहां के स्टाफ की कमी को दूर करने को कहा। सांसद अतुल गर्ग व शहर विधायक अतुल गर्ग गुरुवार को अचानक ही 50 शैय्या संयुक्त अस्पताल,विजयनगर पहुंच गये। अचानक स्थानीय प्रतिनिधियों के अस्पताल पहुंचने पर वहां मौजूद चिकित्सकों व अन्य स्वास्थ्यकर्मियों में हड़कंप मच गया। सांसद अतुल गर्ग ने मौके पर मिले मरीजों से उन्हें मिलने वाली स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में बातचीत की तो कई तरह की कमी होने की बात सामने आयीं। इस पर उन्होंने अस्पताल के प्रभारी चिकित्सक को जल्द से जल्द इन खामियों को दूर कराने को कहा। निरीक्षण के दौरान सीएमएस ने अस्पताल में स्टाफ की कमी होने से काम प्रभावित होने की जानकारी दी। इस बात को गंभीरता लेते हुए सांसद अतुल गर्ग ने तुरंत ही लखनऊ स्वास्थ्य विभाग के आला अफसरों के बात करके जल्द से जल्द स्वास्थ्यकर्मियों की नियुक्ति करके गाजियाबाद के इस अस्पताल में स्टाफ की कमी दूर करने को कहा। सांसद ने चेतावनी दी कि एक सप्ताह के अंदर इस अस्पताल में सभी व्यवस्थाएं दुरस्त हो जानी चाहिए। वे जल्द ही फिर स्वास्थ्य व्यवस्थाएं परखने आऐंगे और तब फिर से खामियां मिलीं तो संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

एडीएम सिटी की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा सम्बंधित मासिक बैठक आयोजित

जनपद की ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर किया गया विचार विर्मश

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। जिलाधिकारी दीपक मीणा के निर्देशों के क्रम में अपर जिलाधिकारी (नगर) गम्भीर सिंह की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा से सम्बन्धित मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। जिसमें अपर जिलाधिकारी (नगर) गंभीर सिंह द्वारा जनपद में दुर्घटना घटित स्थलों पर दुर्घटनाओं के कारणों का सद्यनता से परीक्षण किया गया। समीक्षा बैठक में चिहिन्त अवशेष ब्लैक स्पॉट अधिकांशतः एनएचएआई के स्वामित्व के है मुख्यतः ब्लैक स्पॉट (मणीपाल हॉस्पिटल, सुन्दरदीप कॉलेज से सदभावना कट तक, कौशिक ढाबा एवं टोल उद्योग कुन्ज) पर सडक सुरक्षा सम्बन्धित कार्य पूर्ण कराने के सम्बन्ध में एनएचएआई द्वारा अवगत कराया गया कि प्रस्ताव की मुख्यालय से स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है एवं सुरक्षात्मक कार्य आगामी एक माह में पूर्ण करा दिये जायेगें। एनएचएआई को निर्देशित किया गया कि एनएच/एक्सप्रेसवे पर मार्ग के किनारे खडे होने वाले अवैध वाहनों के चालान किये जाये एवं उनकी सूची पुलिस एवं आरटीओ कार्यालय को भी उपलब्ध करायी जाये।

दिल्ली-मेरठ मार्ग पर आईपीएम कट के पास वाहनों के निकलने के लिए कम से कम दो लेन का प्राविधान किया जाये एवं भोजपुर एवं अन्य टोल पर प्रवेश करने वाले दो पहिया वाहनों का प्रवेश पूर्ण रूप से बन्द कराने के निर्देश दिये। शिक्षाधिकारी / खण्ड शिक्षाधिकारी को निर्देशित किया गया कि स्कूलों में दो पहिया वाहन प्रयोग करने वाले समस्त विद्यार्थी द्वारा हेटमेट का प्रयोग किये जाने के उपरान्त ही स्कूल में प्रवेश कराया जाये। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर सैक्टर-62 पर बने बस स्टॉप पर रूकने वाली बसों को व्यवस्थित तरीके से एक ही लेन में किया जाये जिससे कि मार्ग पर यातायात प्राभावित न हो।

बैठक में जियाउददीन अहमद एसीपी (ट्रैफिक), रामराजा, अधिशासी अभियन्ता, राहुल श्रीवास्तव एआरटीओ (ए), मनोज कुमार मिश्रा एआरटीओ-2, अमित राजन राय एआरटीओ-(प्रवर्तन), एसपी मिश्रा, अधिशासी अभियन्ता नगर निगम, राजीव कुमार सिंह अधिशासी अभियन्ता, उमेश कुमार अधिशासी अभियन्ता एनसीआरटीसी, अंकुल कुमार, अधीक्षण अभियन्ता, एनएचएआई सीमा शिवहरे, एआरएम उ०प्र० राज्य सड़क परिवहन निगम, डॉ० पंकज, स्वास्थ्य विभाग, महेन्द्र कुमार शर्मा, अध्यक्ष ट्रक चालक संघ, गौरव कौशिक, उपाध्यक्ष ट्रक बालक संघ, तेजपाल त्यागी, अध्यक्ष बस यूनियन, संतीश कुमार पाण्डे, शिक्षा विभाग एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहें।

चेयरमैन विभु बंसल ने किया विकास कार्यो का लोकार्पण

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

पिलखुवा। पिलखुवा नगर पालिका परिषद में नगर पालिका अध्यक्ष विभू बंसल के साथ सभासदों और नगर वासियों द्वारा सड़कों का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद अधिशासी अधिकारी इंद्रपाल सिंह , सभासद डॉ राजेश कुमार,लोकेश प्रजापति , सत्तार , सभासदपति सोनू कोरी , नफीस , अश्वनी वैद्य , दीपक राबिया , अमित टांक एवं नगर पालिका परिषद के अधिकारी/कर्मचारी व नगरवासी उपस्थित रहे। 1-वार्ड नंबर 6 परतापुर चुंगी के निकट चारु क्लीनिक के पास सड़क का लोकार्पण। चेयरमैन विभु बंसल ने वार्ड नंबर-11 में परतापुर रोड पर पिंटू सैनी चिंटू सैनी के मकान के पास सड़क का लोकार्पण, वार्ड नंबर-12 पहलादनगर में शिव मंदिर वाली सड़क का लोकार्पण, वार्ड नंबर-22 में ताज होटल वाली सड़क का लोकार्पण किया।

समाचार पत्र पंजीयन (केन्द्रीय) कानून 1956 आठवें नियम के अन्तर्गत अपेक्षित 'यू. पी. ऑब्जर्वर' मोदीनगर नामक समाचार पत्र से संबंधित स्वामित्व और अन्य बातों का ब्यौरा:

प्रपत्र - 4

1. प्रकाशन स्थान	:	भारती प्रिंटर्स, निकट पुरानी स्टील्स चुंगी, लोअर बाजार, मोदीनगर - 201204
2. प्रकाशन अवधि	:	साप्ताहिक (प्रत्येक सोमवार)
3. मुद्रक का नाम	:	चंद्रशेखर शास्त्री
क्या भारत का नागरिक है ?	:	हां
(यदि विदेशी है तो मूल देश)	:	
पता	:	भारती प्रिंटर्स, निकट पुरानी स्टील्स चुंगी, लोअर बाजार, मोदीनगर - 201204
4. प्रकाशक का नाम	:	चंद्रशेखर शास्त्री
क्या भारत का नागरिक है ?	:	हां
(यदि विदेशी है तो मूल देश) :		
पता	:	भारती प्रिंटर्स, निकट पुरानी स्टील्स चुंगी, लोअर बाजार, मोदीनगर - 201204
5. सम्पादक का नाम	:	चंद्रशेखर शास्त्री
क्या भारत का नागरिक है ?	:	हां
(यदि विदेशी है तो मूल देश):		
पता	:	भारती प्रिंटर्स, निकट पुरानी स्टील्स चुंगी, लोअर बाजार, मोदीनगर - 201204
6. उन व्यक्तियों के नाम व पते, जो समाचार -पत्र के स्वामी हों, तथा समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक के साझेदार या हिस्सेदार हों।	:	चंद्रशेखर शास्त्री भारती प्रिंटर्स, निकट पुरानी स्टील्स चुंगी, लोअर बाजार, मोदीनगर - 201204

मैं चंद्रशेखर शास्त्री एतद्वारा घोषित करता हूं कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिए गए विवरण सत्य हैं।

दिनांक: 1 मार्च 2025

ह. चंद्रशेखर शास्त्री
(प्रकाशक के हस्ताक्षर)

वेंकटेश्वरा लायंस बना ऐतिहासिक 'लीजैण्ड लीग क्रिकेट-2025' का चैम्पियन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। वेंकेटेश्वरा परिसर में पहुचने पर खिलाडियों को ओपन जीप में बैठाकर ढोल-नगाड़ों की थाप पर एवं पुष्प वर्षा कर आडिटोरियम तक ले जाया गया, जहाँ सारेगामापा मुम्बई के मशहूर सिंगर विजयप्रकाश के गानों की धुन पर विजेता टीम ने जमकर धमाल किया।

लखनऊ के के.डी. सिंह बाबू स्टेडियम में फाइनल मुकाबले में ब्रज वारियर मथुरा की टीम को 6 विकेट से रौंदकर एलएलसी टेन-10 क्रिकेट लीग - 2025 की बादशाह बनी वेंकेटेश्वरा लायंस की टीम को डिप्टी सी.एम. केशव मौर्य ने ट्राफी के साथ दस लाख की नगद पुरस्कार दिया।

टूनार्मेंट में करोड़ों के ईनाम में दस लाख की इनामी राशि, चमचमाती निशान कार, एक दर्जन से अधिक इलेक्ट्रॉनिक बाइक के साथ वेंकेटेश्वरा के संस्थापक अध्यक्ष डा. सुधीर गिरि ने पांच लाख रुपए की राशि अलग से खिलाडियों को प्रोत्साहन के रूप में दी।

हमे अपने खिलाडियों पर नाज है - श्री सुधीर गिरि संस्थापक अध्यक्ष वेंकेटेश्वरा समूह एवं ऑनर वेंकेटेश्वरा लायंस क्रिकेट टीम। भारत में क्रिकेट सिर्फ एक खेल नही है बल्कि यह एक सर्वमान्य रिलिजन / धर्म है - डा. राजीव त्यागी आधिकारिक प्रतिनिधि समूह अध्यक्ष एवं प्रतिकुलाधिपति श्री वेंकेटेश्वरा विश्वविद्यालय / संस्थान।

-आज राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास स्थित श्री वेंकेटेश्वरा विश्वविद्यालय /संस्थान में पिछले दस दिनों से लखनऊ में चली आ रही राष्ट्रीय स्तर की टेनिस बाल क्रिकेट लीग 'लीजैण्ड लीग क्रिकेट-2025' (एलएलसी टेन-10) का ओवर आल चैम्पियन बनने पर वेंकेटेश्वरा लायंस टीम का संस्थान परिसर में जोरदार स्वागत किया गया। इसके अलावा इस जीत से गदगद इनामी राशि दस लाख के साथ अलग से समूह अध्यक्ष डा. सुधीर गिरि ने पांच लाख रुपए टीम को अपनी ओर से प्रदान किये

-मशहूर पार्श्व गायक विजय प्रकाश ने इस अवसर पर बालीवुड के एक से एक बढ़कर एक तराने पेश कर समारोह को यादगार बना दियो समूह अध्यक्ष डा. सुधीर गिरि ने आई.पी.एस. अमित कुमार आनंद एवं प्रतिकुलाधिपति डा. राजीव त्यागी के साथ मिलकर विजेता खिलाडियों को सम्मानित किया।

-लीजैण्ड लीग क्रिकेट -2025 के बारे में विस्तार से बताते हुए संस्थापक अध्यक्ष डा. सुधीर गिरि के आधिकारिक प्रतिनिधि एवं विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति डा. राजीव त्यागी ने बताया कि लखनऊ के ऐतिहासिक के.डी. सिंह बाबू अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में दस दिनों चलने वाले दस-दस ओवर वाली इस लीजैण्ड लीग क्रिकेट टूनार्मेंट में कुल बारह टीमों ने प्रतिभाग किया, जिनके मुख्य चयनकर्ता पूर्व भारतीय क्रिकेटर चेतन शर्मा एवं इस लीग के कमिश्नर दक्षिण अफ्रीका के महान क्रिकेटर जोंटी रोड्स थे` इसके साथ ही हरभजन सिंह, क्रिस गेल, ब्रेट ली, मोहम्मद कैफ, सुरेश रैना, आदि विश्व के दिग्गज खिलाड़ी इस सीरीज में चीफ कोच / मेंटर की भूमिका में रहें बेहद रोमांचक इस सीरीज में वेंकेटेश्वरा के शेरों ने सेमीफाइनल तक कोई भी मैच ना हारने वाली ब्रज वारियर मथुरा को 6 विकेट से हराकर 'चैम्पियन ट्राफी-2025' अपने नाम कर ली` उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने संस्थापक अध्यक्ष डा. सुधीर गिरि के साथ मिलकर टीम को दस लाख रुपए, मैन ऑफ द सीरीज को चमचमाती निशान कार, 12 खिलाडियों को इलेक्ट्रॉनिक बाईक के साथ करोड़ों रुपए के इनाम प्रदान किये। फाइनल में मशहूर सिंगर कैलाश खेर के गानों पर सभी टीमों के खिलाड़ी स्टेडियम में झूमते नजर आये। -संस्थान परिसर में वेंकेटेश्वरा लायंस टीम के स्वागत समारोह में सीईओ अजय श्रीवास्तव, मुख्य टीम कोच अमन लिट, युवा मोर्चा अध्यक्ष शुभम चौधरी, कुलपति प्रो.(डा.) कृष्णकान्त दवे, डा. राजेश सिंह, डा. एना एरिक ब्राउन इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

डीएम की अध्यक्षता में नार्को कोर्डिनेशन सेंटर के तहत गठित जिला स्तरीय समिति की बैठक सम्पन्न

नशे के दुष्प्रभाव से जन सामान्य एवं युवाओं को व्यापक स्तर पर किया जाए जागरूक: डीएम

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गौतमबुद्धनगर। जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में आज नार्को कोर्डिनेशन सेंटर के तहत गठित जिला स्तरीय समिति की बैठक कलेक्ट्रेट के सभागार में संपन्न हुई। आयोजित बैठक में जिला आबकारी अधिकारी सुबोध कुमार द्वारा नशीले पदार्थों पर अंकुश लगाने की वर्तमान तक की गयी कार्यवाही से जिलाधिकारी को अवगत कराया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि आज के समय में सबसे बडी चुनौती युवाओं को नशे से बचाना है, इसके लिए जनपद में नशा मुक्ति अभियान संचालित करते हुये युवाओं को जागरूक किया जाये। उन्होंने कहा कि नशीले पदार्थों के श्रोतों पर रोक लगाने के उद्देश्य से मेडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज, विश्वविद्यालयों, अन्य शिक्षण संस्थाओं, आरडब्ल्यूए सोसाइटी, स्वंयसेवी संस्थाओं का अधिक से अधिक सहयोग लेते हुये व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जाये।

इसके साथ ही साथ जनपद में नशीले पदार्थों के श्रोतों पर रोकथाम लगाने के उद्देश्य संबंधित समस्त विभागीय अधिकारियों द्वारा आपसी समन्वय स्थापित करते हुए वृहद स्तर पर अभियान चलाकर प्रवर्तन की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए ताकि नशे के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाया जा सके। जिलाधिकारी में बैठक में उपस्थित संबंधित विभागों का अधिकारियों से कहा कि वह पुलिस विभाग के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए जनपद में संचालित छात्रावास एवं पीजी में औचक रूप से निरीक्षण करें कि वहां पर कोई भी नशे की एक गतिविधियां संचालित न हो। साथ ही उनमें रहने वाले छात्रों को भी नशे के विरुद्ध जागरूक बनाया जाए। उन्होंने कहा कि जब भी जनपद के सभी स्कूलों एवं कॉलेजों से शपथ पत्र ले कि उनका कैंपस पूरी तरह नशा मुक्ति है और ऐसा शपथ पत्र देने वाले स्कूल/कॉलेजों को सम्मानित भी किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद के सभी कॉलेजों में मासिक रूप से नशे की गतिविधियों पर अंकुश लगाने एवं छात्रों को नशे के विरुद्ध जागरूक बनाने हेतु बैठक का आयोजन किया जाए व उसकी मासिक रिपोर्ट जनपद स्तरीय बैठक में प्रस्तुत की जाए।

इस अवसर पर सभी संबंधित अधिकारियों द्वारा अपनी-अपनी विभागीय कार्यवाही एवं नशा मुक्ति अभियान के तहत किये गये प्रचार-प्रसार के संबंध में तथा नशीले पदार्थों के रोकथाम पर चर्चा करते हुए कैसे जन सामान्य एवं युवाओं को नशे के दुष्प्रभाव से बचाया जा सकता है अपने-अपने सुझावों से जिलाधिकारी को अवगत कराया गया।

जिलाधिकारी द्वारा नार्को कोर्डिनेशन सेंटर के तहत गठित जिला स्तरीय समिति के सुझावों का अनुश्रवण करते हुए कहा कि जनपद में नशीले पदार्थों के श्रोतों पर पूर्णतया अंकुश लगाने के उद्देश्य से जो सुझाव आज समिति के समक्ष प्रस्तुत किए गए हैं, उनके आलोक में संबंधित विभागीय अधिकारियों द्वारा आपसी समन्वय स्थापित करते हुए जनपद को नार्कोटिक्स फ्री बनाएं जाने की दिशा में कार्यवाही की जाए, जिससे नशे के दुष्प्रभाव से जन सामान्य एवं युवा प्रभावित न हो सके। इस महत्वपूर्ण बैठक में जिला आबकारी अधिकारी सुबोध कुमार, जिला समाज कल्याण अधिकारी सतीश कुमार, तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ डा0 श्वेता खुराना, पुलिस तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

एवियर ओलंपिया 2K25 के विजेताओं को किया गया सम्मानित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

नोएडा! सेक्टर 62 स्थित एवियर कॉलेज ऑफ हायर एजुकेशन में आयोजित खेल महोत्सव 'एवियर ओलंपिया 2K25' का समापन भव्य पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्पोर्ट्स ऑथोरिटी ऑफ इंडिया के पूर्व कार्यकारी निदेशक डॉ. पी.सी. कश्यप, विशिष्ट अतिथि दुर्गा स्पोर्ट्स के निदेशक चंद्र मणि शर्मा, कॉलेज के चेयरमैन संदीप सिंह व एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अमरेश सिंह ने खेल महोत्सव में हुए शतरंज, कैरम, योग, वॉलीबॉल, टेबल टेनिस, बैडमिंटन, एथलेटिक्स, क्रिकेट, टग ऑफ वार, कबड्डी, और फुटबॉल खेल के विजेताओं को पुरस्कृत किया। मुख्य अतिथि डॉ. पी.सी. कश्यप ने कहा कि खेलों से न केवल शारीरिक और मानसिक विकास होता है, बल्कि अनुशासन और नेतृत्व क्षमता भी विकसित होती है। ऐसे आयोजनों से युवा खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का मंच मिला।

फ्लॉवर शो का डीएम ने किया उद्घाटन

फूलों की प्रदर्शनी का हुआ आगाज

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। लैण्डक्राफ्ट डवलपर्स प्रा०लि० द्वारा हॉर्टिकल्चर एण्ड पलोरिकल्चर सोसायटीज गाजियाबाद के सहयोग से फ्लावर शो एवं चटकारे गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी ग्यारहवें फ्लावर शो का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष यह आयोजन 28 फरवरी, 2025 से 02 मार्च, 2025 समय दोपहर 12 बजे से रात्रि 10 बजे तक गोल्फलिंक्स, एनएच-24 गाजियाबाद में होगा। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन जिलाधिकारी दीपक मीणा के द्वारा किया गया। इस बार पर्यावरण/प्रदूषण के साथ-साथ ऑक्सीजन एवं इम्यूनिटी यूस्टर पौधे एवं योगा मुख्य आकर्षण का केन्द्र हैं। साथ ही साक्षरता, रीसाइक्लिंग सामग्री का उपयोग तथा कम्पोस्टिंग इत्यादि प्रमुखता से प्रदर्शित किये जा रहे हैं। किचन गार्डन, हँगिंग गार्डन, अर्बन माइनिंग, टेरेस गार्डन, वर्टिकल गार्डन, लैण्डस्कैपिंग, विभिन्न प्रकार की मेडिसनल प्लांट्स, वायु शोधन करने वाले पौधे, बोनसाई, कैक्टस, सैलुलेण्डस, हाइपरसोनिक, स्वदेशी पुष्प, फल एवं रसायन रहित (अर्गेनिक) सब्जियों का प्रदर्शन किया गया है। फ्लावर शो में मनोरंजन एवं अनेक प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया है । जैसे-नृत्य, योग साधना, सांस्कृतिक कार्यक्रम, गायन एवं फैशन शो, मेहंदी, टेटू, रंगोली, पतंग बाजी, झूले, वर्डस, बटर पलाई, विभिन्न प्रकार के स्टॉल आदि आकर्षण का केन्द्र हैं। इस बार विशेष रूप से अर्बन गार्डिनिंग जैसे हाइड्रोपोनिक, एक्वापोनिक एवं एरोपोनिक के द्वारा पौधे किस प्रकार उगाये जा सकते हैं प्रदर्शित किया जा रहा है।

इसके अतिरिक्त पर्यावरण एवं सनातन का बहुत सुन्दरता से समायोजन किया गया है। सनातन

की दृष्टि से राम वन पथ गमन, समुद्र मन्थन, महाकुम्भ 2025, सुदर्शन चक्र, शंख, धनुषवाण के साथ-2 वैज्ञानिक दृष्टिकोण से सैटेलाइट, पर्यावरण ऑक्सीजन पार्लर, बटर पलाई, मोर, बत्तख, खरगोश, विभिन्न प्रकार की मछलियों एवं एक्जोटिक प्लान्ट के साथ 2 बहुत सुन्दर लैण्डस्केपिंग का मनमोहक प्रदर्शन किया गया है। फूलों की छटा तो निहारते बनती है। स्वाद का भी विशेष ध्यान रखा गया है।

मनोरंजन के साथ-साथ चटकारे में विभिन्न शहरों से फूड स्टॉल्स में मुख्य रूप से फत्ते की कचौड़ी, आगरा के मराठे, चाँदनी चौकी की जलेबी, नागपाल के छोले भठूरे एवं प्रमुख नगरीय स्वादिष्ट व्यंजन है। आयोजन भव्य, ज्ञानवर्धक, मनोरंजक एवं प्रेरणादायक होगा। बागवानी से सम्बन्धित वर्कशॉप का भी आयोजन किया गया है। कार्यक्रम में लैण्डक्राफ्ट तथा फ्लोरिकल्चर सोसाइटी गाजियाबाद के साथ-2, एकेजी इन्टीट्यूट, जीडीए, नगर निगम, नोएडा अथॉरिटी ने भी बहुत सुन्दर प्रस्तुति दी है। सिविल डिफेंस के चीफ वार्डन ललित जायसवाल की तरफ से आने वाले अतिथियों का स्वागत किया गया।

श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज तीन दिन की धर्म यात्रा के लिए आंध्र प्रदेश रवाना हुए

गुंटूर में श्री मां जगदम्बा, श्री बाबा रामदेव जी व श्री अम्बेश्वर महादेव मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की छठीं वर्षगांठ महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होगे

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। श्री दूधेश्वर नाथ मंदिर के पीठाधीश्वर, श्री पंच दशनाम जूना अखाडा के अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता, दिल्ली संत महामंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष व हिंदू यूनाइटिड फ्रंट के अध्यक्ष श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज आंध्र प्रदेश की धर्म यात्रा के लिए विजयवाडा रवाना हों गए। रात्रि में जागरण विजयवाडा में ही रहेगा। महाराजश्री का विजयवाडा में रामदेव मंदिर के अध्यक्ष श्याम सिंह, कालू सिंह, हरि सिंह समेत सैकडों भक्त जोरदार स्वागत करेंगे। शनिवार 1 मार्च को श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज गुंटूर पहुंचेंगे, जहां श्री राजस्थानी विष्णु समाज ट्रस्ट के अध्यक्ष पंडित जगदीश सिंह राजपुरोहित द्वारा श्री मां जगदम्बा, श्री बाबा रामदेव जी व श्री अम्बेश्वर महादेव मंदिर में देव प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा, लघु रूद्र यज्ञ व प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव की छठीं वर्षगांठ मनाई जा रही है। श्रीमहंत नारायणगिरि महाराज के पावन सानिध्य में श्री गीता मंदिर आर अग्राहरम में 1 मार्च को रात्रि 9.15 से भजन संध्या में चढावे 2026 के बोले लगाए जाएंगे।

भजन संध्या में राजस्थान के भजन सम्राट दलपतजी चौहान व उनकी पार्टी भजनों से भगवान व मां की महिमा का गुगणान करेंगे। रविवार 2 मार्च को मंदिर में प्रातः 9.11 बजे से हवन होगा और 11.21 से श्वजारोहण होगा। महाराजश्री मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। दोपहर 11.31 बजे से देव अमृत भोजन होगा। श्री अम्बे माताजी की अखंड ज्योत के लाभार्थी चौधरी अणदाराम, शंकरराम, जगदीश व मदन होंगे। बाबा रामदेवकी अखंड ज्योत के लाभार्थी कांतिलाल, श्री महादेव जी की अखंड ज्योत के लाभार्थी राजपूत विक्रम सिंह, जितेंद्र सिंह, राजपूत जितेंद्र सिंह, बाल भोग माताजी के लाभार्थी क्षत्रिय घांची भीकाराम, बाल भोग रामदेव जी के लाभार्थी राजपूत अमर सिंह, विक्रम सिंह, राजपूत भरत सिंह, नरेंद्र सिंह,बाल भोग महादेव जी के लाभार्थी वैष्णव बुद्धिप्रकाश, वर्षगांठ भोजन के लाभार्थी चौधरी दुगार्राम, मोती राम, मंगलराम, ओमाराम, श्री भजन संध्या के लाभार्थी चौधरी मानाराम,श्री बहुमान के लाभार्थी प्रजापत अशोक कुमार, श्री महाशिवरात्रि अभिषेक के लाभार्थी वैष्णव श्रवणकुमार, अरूण कुमार व देव वस्त्र के लाभार्थी राजपुराहित जगदीश सिंह होंगे। दूधेश्वर नाथ मठ महादेव मंदिर के मीडिया प्रभारी एस आर सुथार ने बताया कि महाराजश्री 3 मार्च की प्रातः भगवान दूधेश्वर की सेवा में उपस्थित होंगे।

3 मार्च को मंदिर परिसर में संचालित श्री दूधेश्वर वेद विद्या पीठ में वेद परीक्षा होगी। केंद्र सरकार ने श्री दूधेश्वर वेद विद्या पीठ को वेद परीक्षा का परीक्षा केंद्र बनाया है। परीक्षा में कई शहरों के 550 विद्यार्थी शामिल होंगे। महाराजश्री परीक्षा लेने वाले आचार्यों का स्वागत अभिनंदन कर सांय को काशी के लिए रवाना होगे।

निगम की भूमि कब्जा मुक्त कराई

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। गाजियाबाद नगर निगम द्वारा मोहन नगर जोन की अर्थला क्षेत्र में तथा सिटी जोन अंतर्गत सिद्धिक नगर में निगम की भूमि को कब्जा मुक्त करने के लिए अभियान चलाया गया । मौके पर प्रभारी संपत्ति पल्लवी सिंह तथा अन्य टीम उपस्थित रही। परवर्तन टीम का विशेष सहयोग अभियान के दौरान रहा, लगभग दोनों अभियान में 7 करोड़ की भूमि कब्जा मुक्त कराई गई। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निर्देश अनुसार गाजियाबाद नगर निगम संपत्ति विभाग की टीम लगातार निगम की भूमि को कब्जा मुक्त करने में जुटी हुई है । निरंतर अभियान चल रहे हैं अर्थला की खसरा नंबर 1330 में 700 वर्ग मीटर भूमि कब्जा मुक्त कराई गई। जिसकी लागत 3.50 करोड़ आकी गई है। इसी प्रकार सिद्धिक नगर में 1640 वर्ग मीटर भूमि को कब्जा मुक्त कराया गया है ।जिसका खसरा नंबर 307,316,317 है संपत्ति की लागत लगभग साढे तीन करोड़ आंखें गई है। नगर आयुक्त द्वारा विभाग को प्रतिदिन ऐसी भूमि जिन पर कब्जा पाया जा रहा है । अविलंब कार्यवाही के लिए कहा गया है इसके अलावा संपत्ति विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को मॉनिटरिंग को प्रबल करने के निर्देश दिए गए हैं। दोषियों के विरुद्ध एफआईआर करने के लिए भी टीम को निर्देश दिए गए हैं।

नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी ने AACSB प्रत्यायन के लिए आवेदन किया; क्षेत्रीय प्रमुख और टीम ने किया कैंपस का दौरा

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी (NIU) ने एसोसिएशन टू एडवांस कॉलेजिएट स्कूल्स ऑफ बिजनेस (AACSB) प्रत्यायन के लिए आवेदन किया है और इस प्रक्रिया के तहत AACSB अधिकारियों का सफल दौरा आयोजित किया। इस टीम में दक्षिण एशिया के क्षेत्रीय प्रमुख प्रताप दास, कार्यकारी उपाध्यक्ष, मुख्य सदस्यता अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक, AACSB इंटरनेशनल- डॉ. जिओफ पेरी (एशिया पैसिफिक) और प्रत्यायन प्रबंधक सुश्री सोफिया पोह शामिल थे। AACSB प्रतिनिधियों ने यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के संकाय सदस्यों और छात्रों से मुलाकात की और प्रत्यायन प्रक्रिया तथा इसके लाभों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह प्रत्यायन बिजनेस स्कूलों की विश्वसनीयता को बढ़ाता है और उद्योग जगत से उनकी प्रासंगिकता को मजबूत करता है।

डॉ. जिओफ पेरी ने कहा, AACSB बिजनेस स्कूलों की गुणवत्ता को बढ़ाने के साथ-साथ समाज पर सकारात्मक प्रभाव डालता है। इस प्रत्यायन के जरिए पाठ्यक्रम की गुणवत्ता का मूल्यांकन किया जाता है, शिक्षण पद्धतियों में सुधार होता है और छात्रों, शिक्षकों एवं उद्योग जगत के बीच नेटवर्किंग के अवसर बढ़ते हैं। इस प्रमाणन के बाद बिजनेस स्कूल के छात्रों के नौकरी पाने की संभावना 96% तक बढ़ जाती है, वहीं संस्थान की प्रतिष्ठा और नामांकन दर भी बेहतर होती है। इस सफल दौरे के आयोजन पर चांसलर डॉ. विक्रम सिंह ने कहा, हम अपने संस्थान की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए हमेशा प्रयासरत हैं और विद्वानों एवं संगठनों के साथ सीखने और सहयोग करने के लिए तत्पर रहते हैं। वहीं, प्रो. (डॉ.) उमा भारद्वाज ने NIU द्वारा हाल ही में प्राप्त NAAC A+ प्रत्यायन का उल्लेख करते हुए कहा, हम अपने शिक्षकों का सम्मान करते हैं और छात्रों को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने छात्रों की समस्या-समाधान क्षमता, प्रतिबद्धता और शिक्षाविदों में उनकी भागीदारी के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, हम छात्रों को भरपूर अवसर देते हैं, लेकिन उन अवसरों का सही उपयोग करना उनके ऊपर निर्भर करता है।

इस दौरे में डॉ. विक्रम सिंह (चांसलर), प्रो. (डॉ.) उमा भारद्वाज (कुलपति), डॉ. मुकेश पराशर (रजिस्ट्रार), डॉ. एस. के. वर्मा (डीन, स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट), डॉ. तान्या सिंह (डीन, अकादमिक) और डॉ. टी. ए. वानी (डीन, अनुसंधान एवं विकास) उपस्थित रहे।

AACSB प्रत्यायन की दिशा में उठाए गए इस कदम से NIU के स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की प्रतिष्ठा और बढ़ेगी। इससे छात्रों, शिक्षकों और उद्योग जगत के लिए नेटवर्किंग और सहयोग के अधिक अवसर उपलब्ध होंगे, जिससे सभी को सकारात्मक लाभ मिलेगा।

जिला सैनिक बंधु समिति की समीक्षा बैठक आयोजित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गौतमबुद्धनगर। पूर्व सैनिकों की समस्याओं का निस्तारण कराने एवं शासन द्वारा सैनिकों के हितार्थ चलाई जा रही योजनाओं का पात्र सैनिकों तक शत प्रतिशत लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से आज डीएम मनीष कुमार वर्मा ने कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सैनिक बन्धु समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए पूर्व सैनिकों की समस्याओं को सुना एवं मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि पूर्व सैनिकों के सम्मुख आ रही समस्याओं को शीर्ष प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित कराने की कार्रवाई सुनिश्चित करें। इस महत्वपूर्ण बैठक में पूर्व सैनिकों ने जिलाधिकारी को भूमि विकास, ग्राम की सड़कों की मरम्मत, जलभराव की समस्या, पुलिस, बैंक से ऋण, पेंशन, शिक्षा, आर्थिक अनुदान, रोजगार, स्वास्थ सेवाओं सम्बन्धी समस्या तथा अन्य समस्याओं से अवगत कराया, जिस पर जिलाधिकारी ने सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों को निर्देश देते हुये कहा कि पूर्व सैनिकों की आज जो समस्या प्राप्त हुयी है, उनका निस्तारण समयबद्धता के आधार पर करते हुये रिपोर्ट आगामी बैठक में प्रस्तुत करेंगे। जिलाधिकारी ने इस अवसर पर संबंधित विभाग के अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि उत्तर प्रदेश शासन के द्वारा सैनिकों के हितार्थ जो जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही है, उनका व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार करते हुए पात्र सैनिकों तक शत प्रतिशत लाभ पहुंचाने की कार्रवाई करें।

डीएम की अध्यक्षता में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक

होली के चलते खाद्य सुरक्षा अधिकारी अभियान चला कर करें जांच

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गौतमबुद्धनगर। जनपद वासियों को शुद्ध खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराने एवं खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के प्रावधानों का प्रभावी क्रियान्वयन अनुश्रवण एवं त्वरित गति से लागू कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट के सभागार में खाद्य सुरक्षा औषधि प्रशासन विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय सर्वेश कुमार मिश्रा एवं मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी वीरेंद्र द्विवेदी ने विगत दिवसों में जनपद वासियों को शुद्ध खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गयी प्रवर्तन कार्यवाही से जिलाधिकारी को पावर प्रजेंटेशन के माध्यम से विस्तार से अवगत कराया।

जिलाधिकारी ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि आगामी होली पर्व एवं नवरात्रो को दृष्टिगत रखते हुए जनपद में विशेष अभियान संचालित करते हुए खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के माध्यम से जनपद के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में व्यापक अभियान चलाकर खाद्य एवं पेय पदार्थों की सैंपलिंग की जाए, ताकि जनपद वासियों को शुद्ध खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि अभियान चला कर कुट्टू के आटे के नमूने भी संग्रहित करें। साथ ही निर्देश दिए कि संग्रहित किए गए सैंपल में प्रयोगशाला से मिलावट सिद्ध होती है तो संबंधित प्रतिष्ठान के विरुद्ध नियम अनुसार कार्रवाई करते हुए जुमार्ना लगाए जाने की कार्रवाई अमल में लाई जाए। उन्होंने कहा कि जनपद में मिलावट खोर सक्रिय न रहे, इसके लिए खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा विशेष अभियान चलाकर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के अधिकारियों से कहा कि जनपद में होटल संचालकों के साथ कार्य योजना बनाते हुए होटल में बचने वाले खाने को जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाने का कार्य होटल संचालकों के माध्यम से कराया जाए। जिलाधिकारी ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि उनके द्वारा फूड फोर्टिफिकेशन, रीयूज्ड कुकिंग ऑयल एवं शुद्ध खाद्य व पेय पदार्थों को लेकर एक एडवाइजरी तैयार करते हुए सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म तथा इलेक्ट्रॉनिक व प्रिंट मीडिया के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार कराया जाना सुनिश्चित किया जाए ताकि अधिक से अधिक जनपद वासियों को शुद्ध खाद्य एवं पेय पदार्थों को लेकर जागरूक बनाया जा सके। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जनपद के सभी स्कूलों तथा सरकारी कार्यालय परिसरों को ईट राइट स्कूल एवं कैंपस में बदलने के लिए भी खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के अधिकारी गण संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समन्वय बनाते हुए निरंतर स्तर पर अपनी कार्यवाही सुनिश्चित करें, ताकि सभी स्कूलों तथा सरकारी कार्यालय परिसरों को भी ईट राइट केंपस घोषित किया जा सके।

जिलाधिकारी ने खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि उनके द्वारा जनपद में व्यापक स्तर पर अभियान संचालित करते हुए स्ट्रीट वेंडर्स के पंजीकरण करने की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

एसआरएम विश्वविद्यालय के 28वें स्थापना दिवस पर खेल-2025 का हुआ आगाज

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। एस.आर.एम दिल्ली-एनसीआर परिसर में खेल 2025 का शानदार शुभारंभ हुआ। यह आयोजन सिर्फ एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि जोश, जुनून और टीम स्पिरिट का उत्सव था। विश्वविद्यालय के 28 वें स्थापना महोत्सव के अवसर पर आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में छात्रों, संकाय सदस्यों और अतिथियों का उत्साह देखने लायक था। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्ज्वलन और मंगलाचरण से हुई, जिससे पूरे माहौल में सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ। इसके बाद परिसर के वरिष्ठ पदाधिकारियों और विशेष अतिथियों ने अपने प्रेरणादायक विचार साझा किए।

डॉ. नवीन अहलावत (डीन, एसएंडएच) ने खेलों के अनुशासन और समर्पण की महत्ता पर जोर देते हुए कहा, 'जो आज पसीना बहाता है, वह कल सफलता की ऊंचाइयों को छूता है। डॉ. आर. पी. महापात्रा (डीन) ने अपने प्रेरणादायक शब्दों में कहा, खेल हमें सिर्फ जीतना नहीं सिखाते, बल्कि मिलकर आगे बढ़ने और हर चुनौती को आत्मविश्वास से स्वीकारने की सीख देते हैं। डॉ. एस. विश्वनाथन (निदेशक) ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा, खेल केवल शारीरिक गतिविधि नहीं है, यह नेतृत्व, मानसिक मजबूती और आत्म-अनुशासन का पाठ पढ़ाता है। कार्यक्रम में विशेष रूप से आमंत्रित भारतीय क्रिकेटर प्रियांश आर्य ने अपने अनुभव साझा करते हुए छात्रों को प्रेरित किया। उन्होंने कहा, 'हर खुद को कितना निखारते हैं और हर दिन बेहतर बनने का प्रयास करते हैं। इसके बाद डॉ. धौम्या भट्ट (डीन, आईक्यूएसी) ने छात्रों और आयोजन समिति की सराहना करते हुए कहा, खेल जीवन का आईना हैं-इसमें मेहनत, संघर्ष और सफलता, तीनों का मेल होता है।

कार्यक्रम का समापन टॉर्च रन के साथ हुआ, जो ऊर्जा, उत्साह और खेल भावना का प्रतीक था। इसके बाद खेल 2025 में होने वाली विभिन्न गतिविधियों की आधिकारिक रूप से घोषणा हुई, और पूरा परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। एथलीट की सफलता की कहानी मेहनत, धैर्य और आत्मविश्वास से लिखी जाती है। इस आयोजन के मुख्य अतिथि, डॉ. संजय भारद्वाज (द्रोणाचार्य अवार्डी, क्रिकेट कोच) ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा, 'खेलों में हार-जीत मायने नहीं रखती, बल्कि यह मायने रखता है कि आप एस.आर.एम दिल्ली-एनसीआर परिसर इस भव्य आयोजन की सफलता के लिए सभी अतिथियों, आयोजकों और विद्यार्थियों का तहे दिल से आभार व्यक्त करता है। अब सभी की निगाहें रोमांचक प्रतिस्पधाओं और अविस्मरणीय पलों पर टिकी हैं, जो खेल 2025 को यादगार बनाएंगे।

सकारात्मक या नकारात्मक विषय पर एक दिवसीय शिविर का आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। गिन्नी देवी मोदी गर्ल्स पीजी कॉलेज में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई- सी द्वारा छात्रों पर सोशल मीडिया का प्रभाव-सकारात्मक या नकारात्मक विषय पर एक दिवसीय शिविर का आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. पूनम शर्मा के निदेर्शानुसार किया गया। शिविर का संचालन इकाई सी की कार्यक्रम अधिकारी राखी शर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ एनएसएस की स्वयं सेविकाओं ने लक्ष्य गीत गाकर किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्री राकेश शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार - वीर अर्जुन, दैनिक हिंदू इत्यादि, रहे। राकेश शर्मा ने अपने व्याख्यान में महाविद्यालय की छात्राओं को समझाया कि कैसे हम सोशल मीडिया का ज्यादा से ज्यादा सदुपयोग करके अपने व्यक्तित्व एवं जीवन का स्तर सुधार सकतें हैं। गृह विज्ञान विभाग की वरिष्ठ शिक्षिका डॉ राखी मित्तल ने छात्राओं को बताया कि सोशल मीडिया की बुरी लत को छोड़कर अगर हम सोशल मीडिया के सकारात्मक प्रभाव जैसे शैक्षणिक संसाधन एवं संचार सुविधा तकनीक को दिमाग में रखते हुए उसके ऊपर अमल करें तो शायद हम इस मीडिया के नकारात्मक प्रभाव से बच सकते हैं। एमएससी फूड एंड न्यूट्रिशन की शिक्षिका डॉ इशा सचदेवा ने छात्राओं को सचेत किया कि हम अपनी व्यक्तिगत सूचनाओं को सोशल मीडिया पर डालकर अपनी ही हाथों अपना नुकसान करते हैं। शिविर में वरिष्ठ शिक्षिका डॉ चेतना एवं डॉ शिखा त्यागी एवं गायत्री शर्मा ने पूर्ण सहयोग दिया। कार्यक्रम अधिकारी राखी शर्मा ने मुख्य अतिथि एवं उपस्थित सभी शिक्षिकाओं का हृदय से धन्यवाद दिया एवं सभी स्वयंसेविकाओं को उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। अंत में शिविर का समापन राष्ट्रगान गाकर किया गया।

18 वां वार्षिक उत्सव आर्य समाज का तीन दिवसीय कार्यक्रम आयोजित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। 18 वां वार्षिक उत्सव आर्य समाज निवाड़ी मैं तीन दिवसीय कार्यक्रम आर्य कृष्ण शास्त्री नगर पंचायत निवाड़ी के आवास पर आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि उपाध्यक्ष रविंद्र त्यागी बिल्डर एसोसिएशन ऑफ इंडिया रहे कार्यक्रम 3 दिन तक चला जिसमें प्रातः ध्वजारोहण उसके उपरांत यज्ञ एवं प्रवचन और पर्यावरण एवं राष्ट्र निर्माण में आर्य समाज की देंन, स्वतंत्रता के नायको के बारे में प्रवचन किए गए, संस्कारों के महत्व के बारे में बताया गया, पाखंड एवं अंधविश्वास कारण एवं निवारण के बारे में बताया गया नगर पंचायत निवाड़ी के गणमान्य लोग व काफी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया क्षेत्र के विभिन्न गांव से है लोगो व महिलाओं ने इस उत्सव का लाभ उठाया कार्यक्रम में बिल्डर एसोसिएशन ऑफ इंडिया के उपाध्यक्ष रविंद्र त्यागी, कृष्ण आर्य डॉक्टर ज्ञानोदय आर्य, रजनीश आर्य, सतीश आर्य, चेतन आर्य, कोऑपरेटिव सोसाइटी के अध्यक्ष प्रवीण त्यागी, भारतीय किसान यूनियन किसान सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सत्येंद्र त्यागी, अनिल चैयरमैन आदि लोग मौजूद रहे।

केंद्रीय मंत्री चौधरी जयंत सिंह का जोरदार स्वागत

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। राष्ट्रीय लोकदल पार्टी के जिला अध्यक्ष राम पाल चौधरी के नेतृत्व में जनपद गाजियाबाद के सम्मानित सभी सम्मानित पदाधिकारिगण व कार्यकताओं द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष, केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री जयंत चौधरी का दिल्ली से मेरठ जाते समय दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे भोजपुर पर भव्य स्वागत किया गया। इस स्वागत में जिला अध्यक्ष रामपाल चौधरी, युवा जिलाध्यक्ष जयदीप सिंह, विपिन गुलिया जिला महासचिव, प्रदीप चौधरी,सनी, राम, राहुल नागेंद्र, रोबिन, दीपक चौधरी, उपेंद्र चौधरी, रेखा चौधरी , सुमन चौधरी जिला अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ, राम भरोसेलाल मोर्य, अजीत खंजरपुर, ऑ.डी.त्यागी, अवधेश दीक्षित, युवा राष्ट्रीय सचिव अभिषेक त्यागी, मुजीबुर रहमान, राहुल चौधरी, योगेश फफराना, उपेंद्र चौधरी, अमित चौधरी, सुरेंद्र पाल सिंह,अरुण भुल्लन जी, फहीम फहद नगर, हिमांशु नागर, बाबू सुल्तानपुर, आदित्य रॉयल, मंजू जाटव, दिनेश चौधरी, राजशेखर सिंह, तरुण सिंह, कादिर सारा, कुरु चौधरी, सुरेंद्र तेवतिया, राहुल गुर्जर, सागर ढींगरा, दीपक नेहरा, रामभरोसे लाल मौर्य, विपिन जिंदल, संदीप राणा अरुण चौधरी भूलन, आशीष चौधरी, कपिल पंडित, रजत धीमान, दीपू शर्मा, गौरव करोटिया, मोहित नागर, संजय कुमार, मुकेश चौधरी, टीटू सिंह, सुजीत सोनी, लव ठाकुर, रवि कुमार सचिन त्यागी, आसिंदर, भूपेंद्र डबास, सुबे सभासद, गौरव नेहरा राष्ट्रीय खिलाड़ी, सागर नेहरा, ब्रजवीर प्रधान फजलगढ, अनिल भोजपुर, चंद्रपाल भोजपुर, लोकेंद्र खंजरपुर, सुरेंद्र पाल गप्पू, करण प्रधान तिबरा, मोदी प्रधान फजलगढ, शमशेर खान मछरी, जुल्फी प्रधान मछरी, जयदीप सिंह फेरेराम प्रजापति दीपक राठी जी, शतीश राठी जी,आदि मौजूद रहे।

आईटीएस फिजियोथेरेपी कॉलेज में अतिथि व्याख्यान आयोजित

मुरादनगर। आईटीएस फिजियोथेरेपी कालेज में मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, वैशाली के एसोसिएट डायरेक्टर, ऑथोर्पेडिक एवं जॉइंट रिप्लेसमेंट डॉ अखिलेश यादव द्वारा अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। डॉ0 अखिलेश यादव ने ऑथोर्पेडिक और जॉइंट रिप्लेसमेंट से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने आधुनिक चिकित्सा तकनीकी, नवीनतम शोध, और ऑथोर्पेडिक्स के क्षेत्र में हो रहे विकास के बारे में छात्रों को जागरूक किया। व्याख्यान के दौरान डॉ यादव ने न केवल अपना बहुमूल्य ज्ञान साझा किया, बल्कि छात्रों की जिज्ञासाओं का उत्साहपूर्वक समाधान भी किया। उनकी गहन समझ और स्पष्ट व्याख्या से छात्रों को अत्याधिक लाभ प्राप्त हुआ। इस सफल आयोजन ने छात्रों को चिकित्सा क्षेत्र की आधुनिक अवधारणाओं को समझने का सुनहरा अवसर प्रदान किया और उन्हें अपने करियर में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

यथार्थ चौधरी ने संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में शानदार सफलता की हासिल

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। गांव फफराना के होनहार युवा यथार्थ चौधरी ने संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में शानदार सफलता प्राप्त कर कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) विभाग में असिस्टेंट कमिश्नर के पद पर चयनित होकर पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। वर्तमान में रेलवे में जूनियर अकाउंट्स असिस्टेंट के रूप में कार्यरत यथार्थ चौधरी ने अपनी इस उपलब्धि का सम्पूर्ण श्रेय अपने मामा गुलशन कुमार को दिया है, जिनके मार्गदर्शन और अथक प्रयासों से यह सफलता संभव हो सकी। यथार्थ चौधरी ने अपनी स्कूली शिक्षा टीआरएम पब्लिक स्कूल, मोदीनगर से पूरी की। अपनी सफलता पर खुशी जाहिर करते हुए यथार्थ चौधरी ने कहा, यह केवल मेरी मेहनत का नतीजा नहीं है, बल्कि मेरे परिवार, शिक्षकों और विशेष रूप से मेरे मामा गुलशन कुमार की प्रेरणा और आशीर्वाद का परिणाम है। उनकी मेहनत और समर्थन के बिना यह सफर मुश्किल होता।उनकी इस उपलब्धि पर गांव और क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। परिजनों, शिक्षकों और शुभचिंतकों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। उनकी सफलता युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है कि यदि सही दिशा और परिश्रम से कार्य किया जाए, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं। यथार्थ चौधरी का गांव पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। जिसमें कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। स्वागत समारोह में महिंद्रा सिंह, सुरेंद्र सिंह, अतुल प्रधान, मोहित कुमार, दादा वैद्यनाथ, सोनू कुमार, डॉ. आशु बाबा, आशु चौधरी, शुभम चौधरी, कार्तिक चौधरी, शैंकी चौधरी, अक्षु शर्मा, प्रशांत सेहरावत, विजय कुमार, अंकुर, अंकित चौधरी, मुनेश कुमार, रविन कुमार, संदीप कुमार और निशु फफराना सहित कई लोग मौजूद रहे और उन्होंने यथार्थ चौधरी को शुभकामनाएं दीं।

श्री खाटू श्याम मित्र मंडल ट्रस्ट के तत्वावधान में धूमधाम से मनाया फाल्गुन महोत्सव

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

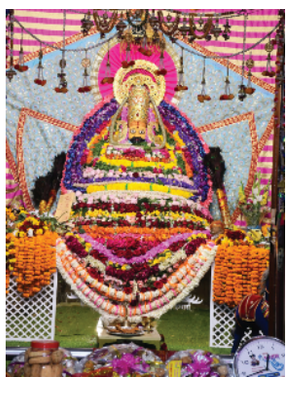

मोदीनगर। श्री खाटू श्याम मित्र मंडल ट्रस्ट के तत्वावधान में गत दिवस को फाल्गुन महोत्सव धूमधाम से मनाया गया।

कार्यक्रम के तहत सुबह खाटू श्याम बाबा की निशान यात्रा शिव चौक गोविंदपुरी से शुरू होकर मुख्य मार्ग जी टी रोड होते हुए श्री खाटू श्याम मंदिर सी लाइन महेंद्रपुरी पर समाप्त हुई। निशान यात्रा का श्रद्धालुओं ने जगह जगह भव्य स्वागत किया। लगभग आठ बजे से बाबा श्याम का विशाल कीर्तन प्रसिद्ध भजन गायक द्वारा मंदिर परिसर में सुबह लगभग चार बजे तक रिझाया गया। बाबा के भजनों पर श्रद्धालु झुमने और नृत्य करने लगे। आरती के उपरान्त प्रसाद वितरण किया गया। इससे पूर्व बाबा को कलकत्ता और बैंगलौर के आये कलाकारों द्वारा 551 किलो विभिन्न प्रकार के फूलों द्वारा सजाया गया। बाबा श्याम को 1111 किलो का छप्पन भोग लगाया गया। कार्यक्रम में श्याम भक्तों पर पुष्प वर्षा की गई। कार्यक्रम में बाबा को भजनों के माध्यम से बाबा श्याम का राजस्थान की शान श्याम जगत के लाडले मुकेश बागड़ा जयपुर, अशोक लखेरा, सीताराम शर्मा, निशा शर्मा, सिद्धांत, ईशा शर्मा, आदि प्रसिद्ध भजन गायकों ने गुणगान किया।

मंच संचालन भजन गायक गिरीश शर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में सांसद राजकुमार सांगवान भाजपा नेता पं रामआसरे शर्मा रमेश गोयल, अरुण खन्ना, पंकज गोयल, राकेश अग्रवाल, अमित गोयल, अजय बंसल, देवेन्द्र सोनी, कपिल गुप्ता, प्रमोद गर्ग, गिरीश बंसल, राजीव रूहेला, संजय रूहेला, शुभांकर गुप्ता, राजीव जिंदल, सत्यम बंसल, बंटू शर्मा, जितेंद गर्ग, मनोज चौधरी, श्रीमती विजया लक्ष्मी, श्रीमती निशा शर्मा, योगेश वार्ष्णेय, विजय जिंदल, मनोज सिंहल, राघव गोयल, निखिल गोयल, आदि का सहयोग रहा।